mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-276 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
05 अक्टूबर 2024 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

एक ही दिन मैदान ...

@ पेज 7

ईरान और इजरायल के बीच अब 'पुल' बनेगा भारत!

नेतन्याहू ने दिल्ली के जरिए खामेनेई तक पहुंचाया मैसेज,राजदूत का खुलासा

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल ने भारत के जरिए से ईरान को मैसेज भेजा है, इस मैसेज में तेहरान से संयम और सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। भारत में इजरायल के राजदूत रुबिन रूबेन अजहर ने बताया है इजरायल ने जिन देशों के जरिए ईरान को संदेश भेजा है, उनमें भारत भी है। उन्होंने कहा कि ईरान के हालिया हमले तनाव को बढ़ाने वाले हैं, ऐसे में हमने उनको चेताया है। फर्स्ट पोस्ट के साथ एक इंटरव्यू में रुबिन ने ये बात कही है। फर्स्ट पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, रुबिन ने कहा कि हमने भारत समेत कई देशों के जरिए संदेश भेजे है। हमने ईरान से कहा है कि उन्हें इजरायल पर हमला नहीं करना चाहिए क्योंकि इसकी उसे बहुत बड़ी कीमत चुकान होगी। इजरायली राजदूत के इस बयान से माना जा रहा है कि संघर्ष को कम करने में भारत की भूमिका अहम हो सकती है। भारत के ईरान और इजरायल दोनों से सामान्य संबंध हैं। रुबिन ने आगे कहा, इजरायल लंबे समय से ईरान के हमले झेल रहा है, ये हमले तेहरान की इजरायल को खत्म करने की विचारधारा से प्रेरित है।

पाकिस्तान के दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री एस जयशंकर

एससीओ की बैठक में होंगे शामिल, 2014 के बाद होगा पहला दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच काफी लंबे समय से रिश्ते खत्म हैं और तनातनी का सिलसिला जारी है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे। यहां वह एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) की बैठक में शामिल होंगे। 15-16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में बैठक होगी। 2014 के बाद यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय मंत्री पाकिस्तान जाएगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर 9 साल बाद पाकिस्तान जाएंगे। एससीओ के काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट की बैठक में जयशंकर हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान ने 29 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बैठक का न्योता दिया था। पाकिस्तान के विदेश विभाग की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा था, बैठक में भाग लेने के लिए सभी सदस्य देशों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया है।

इजराइली हमले के डर से हिजबुल्ला चीफ सीक्रेट जगह दफन

ईरान में सुप्रीम लीडर खामेनेई बोले-इजराइल का खात्मा करके रहेंगे,अरब देश साथ दें

बेरूत/ तेहरान (एजेंसी)। इजराइली हमले में 27 सितंबर को मारे गए हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मौत के 7 दिन बाद सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक इजराइली हमले के डर से नसरल्लाह को सीक्रेट जगह पर दफनाया गया है। पहले उसकी मौत के शोक में बड़ा जनाजा निकाले जाने की खबरें थीं। वहीं, जिस वक्त नसरल्लाह को दफनाया जा रहा था उसी वक्त ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने तेहरान की ग्रैंड मस्जिद में हिजबुल्लाह चीफ की याद में नमाज पढ़ी। इसके बाद उन्होंने मस्जिद में मौजूद हजारों की तादाद लोगों के सामने भाषण दिया। खामेनेई ने दुनिया के मुसलमानों को दुश्मन के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। खामेनेई ने कहा-दुनिया में एक भी ऐसी अदालत नहीं है जो

फिलिस्तीनियों को अपनी जमीन की हिफाजत करने के लिए दोषी ठहरा सके। खामेनेई ने आखिरी बार 5 साल पहले जनवरी 2020 में रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत के बाद जुमे की नमाज को लीड किया था। नसरल्लाह की मौत के बाद खामेनेई को सीक्रेट जगह पर ले जाया गया था। इसके बाद से पहली बार वे सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिए। न्यूज एजेंसी ने हिजबुल्लाह से जुड़े सूत्र के हवाले से दावा किया है कि नसरल्लाह को एक सीक्रेट जगह पर अस्थायी तौर पर दफना दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिजबुल्लाह को डर है कि इजराइल को हमले का मौका मिलेगा।

युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में धकेलाना चाहती है कांग्रेस

अमित शाह का बड़ा आरोप,कांग्रेस पार्टी की मंशा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पकड़े गए 5,600 करोड़ रुपये के ड्रग्स के कांग्रेस कनेक्शन पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। शाह ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की दुनिया में ले जाना चाहती है। अमित शाह ने दावा किया कि उनकी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर नशा मुक्त भारत बनाएगी।

केंद्र सरकार ने मैरिटल रेप केस को नहीं माना क्राइम

- सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल कर मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग वाली याचिकाओं का विरोध किया है। केंद्र ने कहा कि पति के पास निश्चित रूप से पत्नी की सहमति का उल्लंघन करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है, लेकिन भारत में विवाह नाम की संस्था है। इसमें मैरिटल रेप को क्राइम के दायरे में लाना एक गलत फैसला होगा। सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें मैरिटल रेप को अपराध के दायरे में लाने की मांग की गई है। लेकिन केंद्र सरकार की तरफ से लगातार इसका विरोध किया जा रहा है। हलफनामे में सरकार ने कहा कि शादीशुदा महिलाओं को पहले से ही सुरक्षा हासिल है। ऐसा नहीं है कि शादी से महिला की सहमति खत्म हो जाती है। केंद्र ने कहा कि मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की कोई भी जरूरत नहीं।

महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर मंत्रालय की बिल्डिंग से कूदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर नरहरी झिरवल ने शुक्रवार को मंत्रालय की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। उनके साथ विधायक हीरामन खोसकर भी कूद पड़े। हालांकि, नीचे जाल रहने के कारण उनकी जान बच गई। दोनों आदिवासी विधायक जाल में फंस गए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें बाहर निकाला। ऊंचाई से गिरने के कारण झिरवल की गर्दन पर चोट आई है। उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ गया है। उनकी जांच के लिए डॉक्टरों की एक टीम मंत्रालय पहुंची है। झिरवल धनगर समाज को एससी दर्जा देने के खिलाफ हैं। झिरवल उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की एनसीपी गुट के विधायक हैं।

सोमनाथ मंदिर के पास अवैध निर्माण पर बुलडोजर ऐक्शन

सुप्रीम कोर्ट बोला-आदेश की अवमानना हुई तो जिम्मेदार जेल जाएंगे, गुजरात सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में अधिकारियों ने बुलडोजर एक्शन पर उसके आदेश की अवमानना की है तो हम न केवल अधिकारियों को जेल भेजेंगे, बल्कि उन्हें सारी संपत्तियां दोबारा बनवाने का आदेश दिया जाएगा। यह बात जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कही। बेंच गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पास बने अवैध निर्माणों पर 28 सितंबर को हुए बुलडोजर एक्शन के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में समस्त पाटनी मुस्लिम जमात ने सुप्रीम कोर्ट के 17 सितंबर के आदेश के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई करने की मांग की थी। इस दौरान मुस्लिम धार्मिक और आवासीय स्थलों को ज्यों का त्यों रखने की मांग खारिज कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। सोमनाथ मंदिर से 340 मीटर दूर बने थे घर और दरगाह याचिका पाटनी मुस्लिम जमात के वकील संजय हेगड़े ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आदेश के बावजूद गुजरात में अधिकारियों ने बुलडोजर एक्शन को अंजाम दिया। यहां 57 एकड़ के क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की करीब 5 दरगाहें, 10 मस्जिदें और 45 घरों पर बुलडोजर चलवाया गया। गुजरात के अधिकारियों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ये संरचनाएं समुद्र से सटी हुई थीं और सोमनाथ मंदिर से करीब 340 मीटर दूर थीं। देश भर में हो रहे बुलडोजर एक्शन पर फैसला सुरक्षित सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में हो रहे बुलडोजर एक्शन के मामले में 1 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा था कि फैसला आने तक देशभर में बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी रहेगी। अभी सुप्रीम कोर्ट ने फैसले की तारीख तय नहीं की है। हालांकि, कोर्ट ने यह साफ कर दिया था कि अवैध अतिक्रमणों को हटाने पर कोई रोक नहीं होगी। सड़क हो, रेल लाइन हो, मंदिर हो या फिर दरगाह, अवैध अतिक्रमण हटाया ही जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

तृतीय मां चंद्रघंटा

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरूप का नाम मां चन्द्रघण्टा है। 'चंद' हमारी बदली हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल।

हिमाचल मस्जिद विवाद के बीच हनुमान चालीसा का पाठ

संघर्ष समिति बोली-

- सरकार की सद्बुद्धि के लिए करेंगे प्रार्थना करेंगे

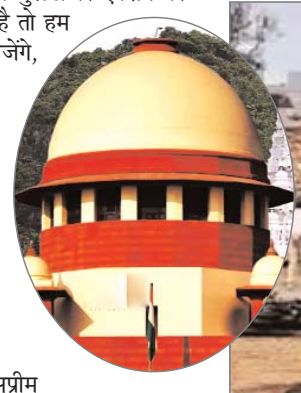

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में मस्जिद विवाद के बीच देवभूमि संघर्ष समिति ने प्रदेश के सभी मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ करने का ऐलान किया था। संजौली मस्जिद मामले में कोर्ट में कल की सुनवाई से पहले संघर्ष समिति ने दबाव डालने के लिए हनुमान चालीसा करने का निर्णय लिया है। संघर्ष समिति के संयोजक भरत भूषण ने कहा कि सभी मंदिरों में शाम 5 बजे यह पाठ करके सरकार और प्रशासन को मस्जिद मसले पर सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की है, ताकि बहुसंख्यक समाज की भावनाओं के मुताबिक अवैध मस्जिद पर फैसला आए। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हिमाचल हमें सुरक्षित सौंपा है।

महाराष्ट्र के पुणे में 21 साल की लड़की से गैंगरेप

- दोस्त के साथ बोपदेव घाट घूमने गई थी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में 21 साल की लड़की के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। कोंडवा पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार रात को पुणे के बोपदेव घाट इलाके में हुई। लड़की अपने दोस्त के साथ घाट पर गई थी, जहां रात करीब 11 बजे तीन लोगों ने उसके साथ रेप किया। हालांकि, घटना की खबर शुक्रवार सुबह 5 बजे पुलिस को दी गई। पुणे के जॉइंट सीपी रंजन कुमार शर्मा ने बताया कि मामले में एक संदिग्ध राजेखान करीम पठान को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। बाकी 2 आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके लिए क्राइम ब्रांच और डिटेक्टिव ब्रांच की 10 टीमें बनाई गई हैं।

रतलाम रेल हादसे में फ्यूल से भरी ट्रेन पटरी से उतरी

- नालियों में बहा पेट्रोल-डीजल
- महिलाएं बाल्टी लेकर लूटने पहुंची

रतलाम (एजेंसी)। पश्चिमी रेलवे के रतलाम डिवीजन में पेट्रोलियम उत्पादों से भरी एक मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतर गए। इसके चलते 12 घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। वहीं कुछ लोगों ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया। सोशल मीडिया पर ऐसे ही तेजस्वी लोगों के वीडियो जमकर वायरल हो रहे हैं। जैसे ही वैगन डिरेल हुए उनमें लीक हो गया। जिससे फ्यूल बहकर नालियों में जमा हो गया। फिर क्या था मौका परस्त भीड़ पेट्रोल-डीजल को देखकर उस पर टूट पड़ी। जिसके हाथ में जो आया चाहे बाल्टी हो, टंकी हो या पानी भरने का कैंपर लेकर नाली के पास पहुंच गए।

भीड़ ने कतार बनाकर नालियों में हाथ डालकर डालकर डिब्बों से फ्यूल भरना शुरू कर दिया। इसे लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो भी सामने आए हैं। जिनमें हर उम्र के लोग बढ़ चढ़कर फ्यूल लूट रहे हैं। महिलाएं भी बड़े बड़े बाल्टी लेकर पेट्रोल डीजल को घर ले जाती हुई दिख रही हैं। इस घटना के बाद रेलगाड़ियों की आवाजाही शुक्रवार को बहाल कर दी गई। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे रेल यातायात बहाल कर दिया गया। मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतरने के कारण रेल यातायात बाधित हो गया था।

14 से 15 ट्रेनों के समय पर असर पड़ा था। दिल्ली-मुंबई रूट पर रेलवे यार्ड के पास गुरुवार रात पेट्रोलियम उत्पादों से भरी एक मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतर गए। अधिकारियों के अनुसार वैगन राजकोट से भोपाल के पास बकानिया-भौरी जा रहे थे। ये रात 10 बजे रतलाम रेलवे स्टेशन से करीब एक किलोमीटर दूर ई केबिन के पास पटरी से उतर गए।

जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि रतलाम के डिवीजनल रेलवे मैनेजर यानि डीआरएम रजनीश कुमार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि उज्जैन और कोटा जाने वाली ट्रेनों के लिए डाउन लाइन पर यातायात बहाल कर दिया गया है।

सिंधी गरबा उत्सव 5 से सुंदरवन में,50 हजार वॉट का साउंड सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में 5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस महोत्सव में 50 हजार वॉट के साउंड सिस्टम पर हजारों लोग गरबा करते हुए माता रानी की आराधना करेंगे। सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित इस गरबोत्सव में प्रमुख अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 दादूजी महाराज, फिल्म स्टार महक चहल, ऋतु शिवपुरी सहित अन्य कई सेलिब्रिटीज शामिल होंगे। अहमदाबाद से मंकी मैन (जैकी वाधवानी) भी इस महोत्सव में मनोरंजन के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए हैं। समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि इस वर्ष गरबा महोत्सव कुछ खास रंग में देखने को मिलेगा। प्रतिभागी माँ की आराधना करते हुए गरबा खेलेंगे और साथ ही कई प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे। इस महोत्सव में सोशल मीडिया के जाने-माने इन्फ्लुएंसर और एंकर भी शामिल होंगे, जिनमें कविता इसरानी, मोहित शेवानी, और भावना जगवानी प्रमुख हैं। इस महोत्सव में स्वादिष्ट सिंधी फूड स्टॉल के साथ-साथ आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

पुस्तक लाइफ मैनेजमेंट का विमोचन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आईआईएम इंदौर में गवर्नमेंट अफेयर्स के मैनेजर नवीन कृष्ण राय की पुस्तक %लाइफ मैनेजमेंट% का शुक्रवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल?ली में विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश नारायण सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नवीन ने मैनेजमेंट की अवधारणा को अंग्रेजी से निकालकर हिंदी भाषा में प्रस्तुत कर, इसे हिंदी भाषी समाज के बीच पहुंचाया है। इस पुस्तक में सेल्फ मैनेजमेंट से लेकर पीपल्स मैनेजमेंट, निर्णय लेने की क्षमता और नेतृत्व की योग्यता को सरल और सहज भाषा में समझाया गया है। हरिवंश ने कहा कि सरकारी योजनाओं को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने में मैनेजमेंट टूल्स का प्रयोग किया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि अब सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहा है। जबकि पहले केवल 15त्न पैसे ही सही व्यक्ति तक पहुंच पाते थे। नवीन की पुस्तक में उल्लिखित प्रसंगों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि %नंदू भैया% और %समझदार सिंह% जैसे प्रसंग पाठकों को बहुत कुछ सिखाते हैं। इस पुस्तक में पंचतंत्र, चाणक्य और सूक्तियों का प्रयोग कर आधुनिक मैनेजमेंट से जोड़ने का काम सराहनीय है। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों को दोबारा शुरू करने में इस तरह की किताबें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

सतपुड़ा विन्ध्याचल और अरेरा हिल्स के कार्यालयों के लिए नई प्लानिंग से बनाएं भवन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सतपुड़ा-विंध्याचल भवन क्षेत्र सहित संपूर्ण अरेरा हिल्स के कार्यालयों के लिए वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप भवनों के निर्माण किए जाएंगे। इसके आधार पर समग्रता प्लानिंग करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लोक निर्माण विभाग को दिए हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल में मेट्रो की सुविधा भी उपलब्ध होने जा रही है, रोड नेटवर्क भी बेहतर हो रहा है। इसलिए कर्मचारियों व आमजन की सुविधा को ध्यान में रखकर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे स्थानों तक वॉक टू वर्क की सुविधा विकसित करते हुए अधोसंरचना विकास के काम कराए जाएं।

किसानों के रिकॉर्ड, फसल नुकसान सर्वे में नहीं होगा हेरफेर केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा- फ्री में मिलेंगे तिलहन फसल के बीज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि विकास और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, अब रेवेन्यू अमला किसानों के रिकॉर्ड और फसल नुकसान के सर्वे में हेरफेर नहीं कर सकेगा। इसके लिए केंद्र सरकार डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन का गठन करने जा रही है। इससे किसानों से होने वाले हेरफेर को रोकने में मदद मिलेगी।

भोपाल के लिंक रोड स्थित निवास पर शुक्रवार को शिवराज सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में रेवेन्यू का अमला किसान की हर डिटेल का रिकॉर्ड रखता है। डिजिटलाइजेशन के बाद रेवेन्यू अमला हेरफेर नहीं कर सकेगा। नुकसान हुआ, तो वास्तव में कितना हुआ है, इसका पता चल जाएगा। बोवनी के समय जैसे ही फसल आएगी, वैसे ही फोटो अपलोड कर दिए जाएंगे। इससे हेराफेरी नहीं की जा सकेगी। किसान को उसके नुकसान का सही मुआवजा मिलेगा। इसके लिए ड्रोन भी दिए जा रहे हैं। ड्रोन की बैटरी डिस्चार्ज होने की स्थिति देखते हुए पांच बैटरियां अलग से दी जाएंगी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को दो नई योजनाओं को मंजूरी दी है। इसी के अंतर्गत डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन का काम भी किया जाएगा। यह दो योजनाएं प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना हैं। दोनों योजनाओं में मिलाकर एक लाख 1321 करोड़ 61 लाख रुपए खर्च होंगे।

खाद्य तेलों में बनेंगे आत्मनिर्भर: शिवराज ने कहा कि 2022-23 में देश की कुल खाद्य तेल की आवश्यकता 29.2 मिलियन टन थी, लेकिन हमारे यहां ऑयल सीड से 12.7 बिलियन उत्पादन होता है। बाकी मांग पूरी करने के लिए विदेशों पर या आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन तिलहन बनाया गया है।

किसानों को फ्री में मिलेगा बीज, ट्रेनिंग देंगे: शिवराज ने कहा, वर्तमान में देश में चल रहे ऑयल सीड्स प्लांट्स का उत्पादन काफी कम है। किसानों को देने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) बीज बनाएगा। इन बीज को किसानों को फ्री में उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए देशभर में 600 क्लस्टर बनाए जाएंगे। देशभर के 21 राज्यों के 347 जिलों में जहां भी ऑयल सीड्स का उत्पादन होता है, उन राज्यों को विशेष रूप से लिया गया है। किसानों को इन क्लस्टर में फ्री में बीज, ट्रेनिंग, नई टेक्नोलॉजी से कैसे खेती करें, इसकी जानकारी दी जाएगी। ऐसी सुविधाएं इस मिशन के तहत दी जाएंगी।

हर साल 10 लाख हेक्टेयर एरिया में खेती: केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि देशभर में हर साल 10 लाख हेक्टेयर एरिया में खेती की जाएगी। उन्नत बीजों की कमी पूरी करने के लिए 65 नए बीज केंद्र बनाए जाएंगे। बीजों को सुरक्षित रखने के लिए 50 बीज भंडारण इकाइयां भी बनाई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि उन राज्यों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, जहां केवल एक फसल खरीफ की लेते हैं। इंटरक्रॉपिंग का भी उपयोग किया जाएगा। अलग-अलग फसलों के बीच में ये बीज, फसलें लगाई जा सकती हैं। पूरी खरीद किसानों से की जाएगी।

राज्यों की मर्जी, कौन सी योजना चलाना चाहते हैं: शिवराज ने कहा, ध्यान रखा गया है कि राज्य जिस योजना को उपयोगी समझते हैं, वे आवश्यकता के हिसाब से चुन सकते हैं। एक योजना का पैसा दूसरी में खर्च कर सकते हैं। पहले ऐसा नहीं था, लेकिन इस योजना में लचीलापन रखा गया है।

कांग्रेस की प्राथमिकता, न खेती रही न किसानी: एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की प्राथमिकता न कभी खेती न किसानी की रही है। इनकी सरकार में खरीदी नहीं होती थी। इनका काम विरोध करना है, तो राजनीति के लिए विरोध करते रहेंगे। युवाओं को रोजगार पर कहा कि बेरोजगारी भत्ता समस्या का समाधान नहीं है। नौजवानों को पैसे दें, लेकिन काम सिखाएं। वे इस पर फोकस कर काम करते रहे हैं।

युवक को निर्वस्त्र कर पीटा, उस पर ठंडी बियर डाली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।

भोपाल में एक युवक को अगवा कर मारपीट का वीडियो सामने आया है। आरोप है कि अशोका गार्डन थाने की गुंडा सूची में शामिल दीपक ठाकुर और रोहित कबाड़ी ने साथियों के साथ मिलकर युवक को गौतम नगर थाने के सामने से अगवा किया, फिर कार से इंडस्ट्रियल एरिया की बंद फैक्ट्री में ले गए। यहां उसे निर्वस्त्र कर उसके ऊपर ठंडी बियर डाली। फायरिंग कर आरोपियों ने उसे पैरों में झुकवाया।

ये घटनाक्रम 13 अगस्त का है। पीड़ित की मां ने इस मामले में एक अक्टूबर को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शिकायत की है। इससे पहले डीसीपी ऑफिस, एडिशनल डीसीपी ऑफिस में भी आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर शिकायत की जा चुकी है। लेकिन, स्नढ्ढकदर्ज नहीं की गई।

दोस्त की बर्थडे पार्टी में हुआ था विवाद: पीड़ित युवक का नाम गौरव मिश्रा (23) है, वह निजामउद्दीन कॉलोनी पिपलानी थाना क्षेत्र में रहता है और लेबर सप्लाई की ठेकेदारी करता है। 12 अगस्त की रात को बिलखिरिया इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट

में दोस्त की जन्मदिन की पार्टी थी। यहां सभी दोस्त नाच गाना कर रहे थे। पास की टेबल पर आरोपी दीपक ठाकुर बैठा था।

दीपक ठाकुर ने शोर न करने की बात को लेकर गालियां देना शुरू कर दिया। इसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हुई। तब दोनों पक्षों में झूमाझटकी भी हो गई। जिसकी शिकायत दीपक ठाकुर ने बिलखिरिया थाने में की थी।

सरेराह किया अपहरण: अगले दिन 13 अगस्त को गौरव अपने दोस्तों के साथ डीआईजी बंगला चौराहा पर गौतम नगर थाने के सामने बैठा था। तभी आरोपी रोहित कबाड़ी और चार अन्य लोग आए। उन्हें देख गौरव ने बचने के लिए भागने का प्रयास किया। वह पास के एक घर में छिप गया, आरोपी उसे जबरन इस घर से घसीटकर कार में बैठाकर इंडस्ट्रियल एरिया की एक बंद फैक्ट्री में ले गए।

कार में पहले से दीपक ठाकुर बैठा था। फैक्ट्री में अन्य 10-12 लोग मौजूद थे। वहां आरोपियों ने गौरव को निर्वस्त्र किया। उसके साथ पाइप, डंडे और बेल्ट से जमकर मारपीट की। दबाव बनाने दो युवकों ने उसके बेहद करीब तीन राउंड फायर किए। इसके बाद दीपक के पैरों में झुकने के लिए कहा गया। उसे पीट-पीटकर पैर लगवाए गए।

मां ने की शिकायत, नहीं हुई सुनवाई: इस बीच गौरव की मां को उसके दोस्त अपहरण की सूचना दे चुके थे। मां मदद की आस में नजदीकी थाना पिपलानी में पहुंची। वहां उनकी सुनवाई नहीं हुई, पुलिस ने गौतम नगर जाने की बात कहकर उसे थाने से चलता कर दिया। इधर गौरव को आरोपी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फैक्ट्री से कटारा हिल्स, एम्स अस्पताल के आस-पास कार में बैठाकर पीटते रहे। 14 अगस्त की सुबह करीब 6 बजे कटारा हिल्स इलाके में उसे छोड़ा गया। आरोपियों में से एक ने स्वयं के मोबाइल से ओला को बुक किया था। इस कार से उसे घर तक पहुंचाया गया। इस घटना के बाद से ही तमाम अधिकारियों से गौरव की मां शिकायत कर चुकी हैं, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

फरियादी पर हैं पांच केस दर्ज: गौरव की मां एक प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं, पिता प्राइवेट जॉब करते हैं। जबकि गौरव लेबर ठेकेदारी करता है। उसके खिलाफ भी पूर्व में मारपीट के पांच केस दर्ज हैं। जबकि दीपक ठाकुर पर अशोका गार्डन सहित अन्य थानों में मारपीट, लूट और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर केस दर्ज हैं। आरोपी रोहित कबाड़ी हाल ही में हत्या के केस में जमानत पर रिहा हुआ है। रोहित भी अशोका गार्डन थाने का निगरानी गुंडा है।

टीआई हेमंत श्रीवास्तव के मुताबिक मामले की जानकारी नहीं है। थाने में ऐसी कोई शिकायत भी फिलहाल नहीं आई है। शिकायत मिलने पर जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

खेतों में ही अंकुरित हो गई सोयाबीन, सर्वे की मांग, अतिवृष्टि से फसल बर्बाद, खेतों में उतरे जनप्रतिनिधि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के करीब 100 गांव में सोयाबीन की फसल अतिवृष्टि की वजह से बर्बाद हो गई है। कई जगह तो अभी भी खेतों में पानी भरा है। इससे सोयाबीन के दाने फिर से अंकुरित होने लगे हैं।

ऐसे में जनप्रतिनिधि खेतों में उतरकर सर्वे की मांग कर रहे हैं। बैरसिया इलाके में हालत ठीक नहीं है। यहां किसानों ने भी सर्वे की मांग उठाई है। विधायक विष्णु खत्री, जिपं सदस्य विनय मेहर ने कलेक्टर को सर्वे कराने के लिए पत्र लिखे हैं। विधायक खत्री ने बताया, उनकी बैरसिया विधानसभा के करीब 100 गांव में अतिवृष्टि की वजह से फसल के खराब होने जानकारी मिली है। किसान लगातार सर्वे कराए जाने की बात कह रहे हैं। इसलिए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को पत्र लिखा है। ताकि, अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का किसानों को मुआवजा मिल सके।

जिला पंचायत सदस्य मेहर ने बताया, बैरसिया में अच्छी बारिश हुई है। इस वजह से सोयाबीन की फसल अतिवृष्टि की चपेट में आ गई। अभी भी सैकड़ों खेतों में पानी भरा है। इससे फसल 70त्न तक बर्बाद हो गई है। दाना अंकुरित हो गया है। जिसकी कीमत किसान को नहीं मिलेगी। खुद खेतों में पहुंचकर फसलों की स्थिति देखी है।

इन गांवों में ज्यादा असर: खितवास, जूना पानी, बागापुरा, निदानपुर, चाटाहेड़ी बबचिया, तलैया शाह, बरखेड़ा याकूब, डूंगरिया, धतुरिया, दोहाया, सोहाया आदि गांवों में अतिवृष्टि का असर ज्यादा है।

ऐसे बर्बाद हुई फसल: जिपं सदस्य मेहर के अनुसार, जब खेतों में जाकर देखा तो कई खेतों में पानी भरा मिला। इस कारण किसान फसल की कटाई नहीं कर सके। यह फसल गल गई है। जिन खेतों में पानी नहीं है, वहां लगातार बारिश की वजह से सोयाबीन का दाना अंकुरित हो गया। कहीं फलियों में दाना दागी या सिकुड़ गया है। इससे फसल के अच्छे रेट भी नहीं मिलेंगे।

एसडीएम ऑफिस भी पहुंचे किसान: फसलों के सर्वे कराने जाने की मांग को लेकर गुरुवार को बैरसिया एसडीएम ऑफिस में बड़ी संख्या में किसान पहुंचे और उन्होंने सर्वे कराने की मांग की।

एमपी में भाव को लेकर भी किसान कर रहे आंदोलन: मप्र में सोयाबीन के दाम 6 हजार से 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल किए जाने को लेकर अलग-अलग किसान संगठन और राजनैतिक दल पिछले एक महीने से आंदोलित हैं। भारतीय किसान संघ समेत किसानों से जुड़े कई संगठन यह मांग उठा चुके हैं।

अतिथि शिक्षकों पर बल प्रयोग का विरोध, शिक्षकों पर लाठीचार्ज की हाई कोर्ट की निगरानी में जांच हो

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अतिथि शिक्षकों पर भोपाल में रात के समय बिजली बंद करके किए गए लाठीचार्ज के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने हाईकोर्ट की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसे बर्बर लाठीचार्ज बताते हुए कमलनाथ ने कहा कि भोपाल में प्रदर्शन करने आए अतिथि शिक्षकों के साथ की गई बर्बरता की जो खबरें सामने आ रही हैं, वह बहुत चौंकाने वाली हैं और यह दिखाती हैं कि प्रदेश में लोकतंत्र और मानवाधिकारों की स्थिति पूरी तरह चौपट है।

एक्स पर कमलनाथ ने लिखा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले अतिथि शिक्षकों पर रात के अंधेरे में बिजली गुल करके किया गया लाठीचार्ज लोकतंत्र के माथे पर धब्बा है।

अतिथि शिक्षकों के शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी डॉक्टर मोहन यादव सरकार के अत्याचार की इबारत है। उन्होंने सवाल किया कि क्या मध्यप्रदेश में अपनी जायज मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना गुनाह हो गया है? नाथ ने लिखा है कि मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि अतिथि शिक्षकों के साथ हुए अत्याचार की हाई कोर्ट की निगरानी वाली कमेटी से उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जो भी इसके लिए दोषी पाए जाते हैं, उन्हें कानून के मुताबिक सख्त सजा दी जाए।

आम आदमी पार्टी ने भी किया विरोध: उधर आम आदमी पार्टी ने इस घटना को लेकर एक्स पर लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी ने रात के अंधेरे में अतिथि शिक्षकों पर लाठी चलवा कर अपनी सरकार के चाल चरित्र और चेहरे को उजागर किया है। इससे यह पता चलता है कि यह सरकार जनहित, शिक्षा के क्षेत्र में कोई कार्य नहीं करना चाहती, इनका उद्देश्य सिर्फ मध्यप्रदेश की भोली भाली जनता को छलना है। मध्य प्रदेश में पिछले कई वर्षों से अतिथि शिक्षक अपने हकों की लड़ाई लड़ते आ रहे हैं लेकिन सरकार शिक्षा और शिक्षक दोनो को खत्म करने पर तुली हुई है।

आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण किए जाने के लिए अपना पूर्ण समर्थन प्रदान करती है और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव को याद दिलाना चाहती है कि मध्यप्रदेश के 1 लाख 22 हजार सरकारी स्कूलों में 1 करोड़ 10 लाख छात्र पढ़ते हैं।

इन 1 करोड़ 10 लाख बच्चो का भविष्य शिक्षकों की कमी के कारण अंधकार में जा रहा है। बीजेपी की सरकार शिक्षा के मॉडल पर लगातार फेल होती हुई दिखाई दे रही है। अब इन अतिथि शिक्षकों के हक एवं सम्मान की लड़ाई में आम आदमी पार्टी उनके साथ खड़ी है।

भोपाल में महिला ने तलाकशुदा पति पर कराई एफआईआर, डाइवोर्स के बाद दोबारा शादी का झांसा देकर किया रेप

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की महिला का पांच साल पहले अपने पति से तलाक हो गया। बाद में पीड़िता ने दूसरे व्यक्ति से शादी कर ली। इसके बाद भी पूर्व पति उसके संपर्क में रहा। उसने फिर से शादी का झांसा दिया तथा पूर्व पत्नी को अपने साथ रख लिया। तीन साल तक शारीरिक शोषण करने के बाद भी जब उसने फिर से निकाह नहीं किया तो महिला ने मामले में की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस दुष्कर्म की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि 35 वर्षीय महिला ऐशबाग इलाके में रहती है। करीब पांच साल पहले उसका अपने पति से तलाक हो गया था। इसके बाद उसने काजीकैंप में रहने वाले दूसरे युवक से निकाह

कर लिया तथा वहां पर रहने लगी। पूर्व पति से उसके दो बच्चे थे। तलाक हो जाने के बाद पूर्व पति बच्चों से मिलने के आता था इसलिए महिला से उसका भी संपर्क बना रहा। अक्सर ही होने वाली मुलाकात के दौरान पूर्व पति ने महिला से कहा कि वह अपने वर्तमान पति को छोड़ दे तथा उससे पुन: शादी कर ले।

आरोपी की बातों में आकर दूसरे पति को तलाक दिया: शादी के बाद वह महिला और बच्चों के साथ परिवार की तरह रहेगा। पूर्व पति की बातों में आकर महिला ने उस युवक को तलाक दे दिया जिससे उसने दूसरी शादी की थी। इसके बाद वह वापस ऐशबाग इलाके में अपने पूर्व पति व बच्चों के साथ रहने लगी। पूर्व पति ने कहा कि वह समाज के सामने रीति-रिवाज से महिला से फिर से शादी कर पत्नी का दर्जा देगा।

तीन साल तक करता रहा ज्यादती: तीन साल तक पूर्व पति महिला का शारीरिक शोषण तो करता रहा लेकिन उसने निकाह नहीं किया। हर बार वह कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टाल देता था। परेशान होकर महिला ने कल ऐशबाग थाने में मामले की शिकायत कर दी। पुलिस ने तलाकशुदा पति के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उप मुख्यमंत्री ने गोपद नदी में नव निर्मित पुल का किया शुभारंभ

रोड और रेलवे कनेक्टिविटी सुदृढ़ होने से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा : उप मुख्यमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव से विन्ध्य क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी-उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर गोपद नदी में नवनिर्मित 2 लेन पुल का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 इस क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। गोपद नदी में पुल के शुभारंभ से आवागमन सुगम होगा, लोगो के समय की बचत होगी तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। विन्ध्य क्षेत्र के जिले आर्थिक क्षेत्र में गहरा जुड़ाव रखते हैं तथा एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते हैं। सिंगरौली से प्रचुर मात्रा में फ्लाई ऐश का परिवहन रीवा तथा सतना की सीमेंट फैक्ट्री में होता है। इस पुल के निर्माण के पूर्व कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, अब आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में रोड एवं रेल कनेक्टिविटी सुदृढ़ होने से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी तथा मुख्यमंत्री जी द्वारा सभी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के दिशा में कार्य किया जा रहा है। सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 के 4 लेन का निर्माण कार्य प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाएगा जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जायेगा। इसके साथ ही रीवा-सीधी के बीच 4 लेन कार्य का भूमिपूजन भी किया जाएगा जिससे झांसी से रांची तक निर्बाध 4-लेन कनेक्टिविटी होगी जो क्षेत्र के विकास में सहायक होगी। उन्होने कहा कि रीवा-सीधी-सिंगरौली रेलवे लाइन की भी नियमित समीक्षा की जा रही है। इसके निर्माण कार्य में भी शीघ्र गति आएगी। माह जून 2025 तक सीधी तक रेल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित है और कार्य योजना अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। विन्ध्य क्षेत्र प्राकृतिक रूप से समृद्ध है तथा यहां प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 23 अक्टूबर को रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव आयोजित किया जाएगा जिसमें देश के कई प्रमुख कंपनियों द्वारा सहभागिता की जावेगी जिससे विन्ध्य क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति होगी तथा विकास को गति मिलेगी।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि उप मुख्यमंत्री द्वारा सतत निगरानी से क्षेत्रवासियों को यह सौगात मिली है। इससे सीधी और सिंगरौली के बीच आवागमन सुगम होगा। उन्होने कहा कि सीधी-सिंगरौली के बीच 4 लेन निर्माण का कार्य वर्ष भर के भीतर पूर्ण कराने का प्रयास करेंगे। सांसद ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वह पूरी ऊर्जा के साथ प्रयास करते रहेंगे।

विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए यह मार्ग जीवन रेखा है। उप मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में पुल निर्माण का कार्य पूर्ण हो सका है। उन्होने कहा कि शेष निर्माण कार्य में भी गति लाई जाए जिससे यह क्षेत्र आर्थिक क्षेत्र में नई उपलब्धियां प्राप्त कर सकेगा।

इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, विधायक सीधी रीती पाठक, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, नगर निगम सिंगरौली के अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, जनपद पंचायत अध्यक्ष देवसर प्रणव पाठक, पूर्व विधायक अमर सिंह पूर्व विधायक सुभाष वर्मा, गणमान्य नागरिक देव कुमार सिंह चौहान, राम सुमिरन गुप्ता सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी, कलेक्टर सिंगरौली चंद्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविन्द्र वर्मा, सिंगरौली निवेदिता गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, देवसर ए के सिंह सहित प्रशासनिक तथा एमपीआरडीसी के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने चलाया मैं हूँ अभिमन्यु अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ.रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिला पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों एवं घरेलू हिंसा की रोकथाम तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता अभियान में भी अभिमन्यु कार्यक्रम 3 से 12 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है।

शुक्रवार को में हूं अभिमन्यु कार्यक्रम के तहत जिले के समस्त थानों द्वारा थाना अंतर्गत स्थित स्कूलो महाविद्यालयों में आत्मरक्षा आदि विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई।

पुलिस परेड ग्राउंड में मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। आगामी त्योहारों नव दुर्गा, दशहरा, दिवाली के मद्देनजर कानून.व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सीधी पुलिस ने आज पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में बलवा मॉक ड्रिल का कराया गया अभ्यास।

अभ्यास का उद्देश्य कानून-व्यवस्था की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए पुलिस बल को तैयार करना था। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविंद्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एव अनुविभागीय अधिकारियों के नेतृत्व में बलवा ड्रिल का सफल अभ्यास किया गया, बलवा ड्रिल में पुलिस की अश्रु गैस पार्टी, केन पार्टी, लाठी पार्टी, राइफल पार्टी, रिजर्व पार्टी सहित पांच विशेष पार्टियों ने भाग लिया।

थाने से 100 मीटर दूर खिलाया जा रहा था सट्टा

स्टिंग सामने आने के बाद थाना प्रभारी, एएसआई सहित तीन आरक्षक निलंबित

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना-जिले के सलेहा थाना से महज 100 मीटर दूर लंबे समय से सट्टा खिलाने का खेल चल रहा था। जिस पर स्थानीय लोगों ने पुलिस पर सांठगांठ कर सट्टा खिलवाए जाने के आरोप भी लगाए थे। हालांकि इस बीच एक स्टिंग वीडियो भी सामने आया। जिसमें कुछ शख्स सट्टा पर्ची लगाते दिख रहे है। यह वीडियो और थाना स्टाफ की शिकायत मिलने पर पन्ना एसपी ने थाना प्रभारी सरिता तिवारी, एएसआई सहित तीन आरक्षकों को शुक्रवार को निलंबित कर दिया है।

एसपी ने पांच पुलिसकर्मियों को किया निलंबित: एसपी ऑफिस से मिली जानकारी के मुताबिक, एसपी साईकृष्ण एस थोटा ने थाना के बगल में खुलेआम सट्टा खिलाने वाले मामले में थाना प्रभारी सरिता तिवारी, बीट प्रभारी कार्यवाहक सउनि शिवेंद्र प्रताप सिंह, बीट के कार्यवाहक प्रधान आरक्षक भूपेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, आरक्षक सतीश श्रीवास और आरक्षक दीपक सोनकिया को निलंबित कर दिया है।

दरअसल एसडीएम एसपी सिंह बघेल की अगुवाई में जिले की टीम ने सलेहा में दबिश देकर तीन दुकानों में तीन आरोपियों जय हिंद कछवाह निवासी सलेहा, मयूर जैन निवासी सलेहा और संजय कुमार चौरसिया निवासी गंज सलेहा को थाना के बगल में सट्टा खिलाते पकड़ा था। यह जगह पुलिस थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर है।

तीनों सटोरिए किराए की तीन दुकानों में काउंटर बनाकर सट्टा खिलाते थे। सट्टा खिलाने का वीडियो भी सामने आया है। जिसके बाद एसडीओपी की जांच और वीडियो मिलने पर एसपी साईकृष्ण एस थोटा ने थाना प्रभारी सहित पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। सलेहा थाना प्रभारी सरिता तिवारी के निलंबन के बाद साइबर सेल प्रभारी अनिल सिंह राजपूत को पुलिस थाना सलेहा प्रभारी बनाया गया है।

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

ड्यूटी रोस्टर नहीं मिलने पर किया नोटिस जारी, 11 डॉक्टर गैरहाजिर मिले

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिले में शुक्रवार की दोपहर 1 बजे कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ओपीडी,इमरजेंसी, ऑपरेशन थिएटर सहित डॉक्टरों की उपस्थिति पंजीयन का अवलोकन किया है। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी रोस्टर नहीं दिखाने पर नाराजगी व्यक्त की है। जिसके लिए कलेक्टर ने कारण बताओं नोटिस भी जारी करने का निर्देश दिया है है।

वही 11 डॉक्टरों की अस्पताल में गैरहाजिर मिलने पर उनका 1 दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया है। वहीं कलेक्टर ने एमसीडी कक्ष के बाहर ड्यूटी रोस्टर चस्पा करने के निर्देश दिए हैं। वहीं कलेक्टर ने स्वच्छता कर्मियों की जानकारी ली। वर्क ऑर्डर भी चेक किया। जिस पर सिविल सर्जन के हस्ताक्षर नहीं पाए गए। जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की है। इस दौरान एसडीएम अखिल राठौर सिविल सर्जन डॉ. जी एल अहिरवार उपस्थिति रहे।

निरीक्षण के दौरान गैरहाजिर मिले 11 डॉक्टर:-

1-डॉ गीता चौरसिया नेत्र विशेषज्ञ,
2-संजय मौर्य निश्चेतना विशेषज्ञ,
3-उमाशंकर पटेल चिकित्सा अधिकारी,
4-अरुण दुबे सहायक प्रबंधक,
5-लखन तिवारी संविदा पीडियाट्रिक,
6-सुकृति जैन चिकित्सा अधिकारी, 7-साजिद खान संविदा चिकित्सा अधिकारी,
8-आशीष शुक्ला संविदा पीजीएमओ,
9-किरण मीना अग्रवाल संविदा चिकित्सा
10-डॉ धमनियां
11-डॉ सुरभि खरे सहित 11 डॉक्टरों की जिला अस्पताल में अनुपस्थित मिलने पर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने शुक्रवार की दोपहर में एक दिवस का वेतन काटने एवं कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बताया कि आज जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया है। जिसमें सर्वप्रथम ओपीडी की व्यवस्थाओं को देखा गया है। इस दौरान कुछ डॉक्टर गैरहाजिर मिले। जिनकी एक दिन की वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं अस्पताल में कुछ जगह गंदगी भी देखने को मिली है। कुछ जगह एसी खराब होने की शिकायत मिली थी। जिस पर अस्पताल प्रबंधन को ठीक करने के लिए निर्देश दिए हैं।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 14 अक्टूबर

सीधी 04 अक्टूबर 2024

जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान हेतु किसान पंजीयन की अवधि दिनांक 04.10.2024 निर्धारित की गई थी। मध्यप्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभा मंत्रालय भोपाल के पत्र दिनांक 04.10.2024 द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु किसान पंजीयन की अवधि दिनांक 14.10.2024 तक बढ़ाई गई है।

उन्होने समस्त किसानों से अपील है कि अपने समीपस्थ पंजीयन केन्द्र, कॉमन सर्विस सेन्टर, एमपी ऑलाईन से बढ़ाई गई अवधि दिनांक 14.10.2024 तक पंजीयन कराना

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी की छात्राएं संभाग स्तरीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में बनी विजेता

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय सतना में संभाग स्तरीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 3 एवं 4 अक्टूबर 2024 को किया गया। प्रतियोगिता में रीवा, सतना, सीधी एवं शहडोल की महाविद्यालयीन महिला बैडमिंटन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चारों टीमों के मैच एक दूसरे के बीच खेला गया जिसमें प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी की छात्राओं ने प्रथम मैच में सतना को पराजित किया द्वितीय मैच में शहडोल और तृतीय मैच रीवा को भी पराजित कर विजेता बनी।

संजय गांधी महाविद्यालय की ओर से श्रद्धा पटेल ने टीम का नेतृत्व किया। साथ ही आंचल सिंह, रंजना भुजवा और दीपिका सिंह ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। श्रद्धा पटेल एवं आंचल सिंह का चयन राज्य स्तरीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। छात्राओं ने यह उपलब्धि बैडमिंटन कोच कैलाश वर्मा के नेतृत्व में प्राप्त की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी. के. सिंह, क्रीड़ा अधिकारी डॉ रविंद्र नाथ सिंह, समस्त प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापकों ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए खुशी व्यक्त की।

पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

हत्या कर खुद को कमरे में किया बंद, पुलिस ने घर का शेड तोड़कर पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। भालूमाडा के फुनगा चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत दैखल के बांका टोला में पति ने पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना शुक्रवार तड़के की बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

फुनगा चौकी प्रभारी सुमित कौशिक ने बताए कि आरोपी मोहन पनिका ने खुद की पत्नी हेमवती पनिका की हत्या कर दी और खुद को उसी कमरे में बंद कर लिया था। जिसकी जानकारी मृतक के पुत्र ने 100 डायल को दी। सूचना के बाद तत्काल मौके पर पहुंची हंड्रेड डायल के आरक्षक देवेंद्र तिवारी और पायलट गोविंद ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया।

आरोपी ने दरवाजा नहीं खोलने पर घर में लगे शेड को तोड़कर देखा गया, तो महिला का लहूलुहान हालत में शव पड़ा हुआ था। जिसके बाद आरोपी मोहन पनिका को पकड़ कर फुनगा पुलिस चौकी ले जाए गया। जहां मर्ग कायम कर आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच की जा रही है।

शक्ति अभिनंदन अभियान अंतर्गत आयोजित हुई विधिक साक्षारता संगोष्ठी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के आदेशानुसार जिले में 02 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक शक्ति अभिनंदन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 04 अक्टूबर को जिला पंचायत सभागार सीधी में महिलाओं से संबंधित अधिनियम एवं नवीन कानूनों पर चर्चा संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आर.सी. त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि शक्ति अभिनंदन अभियान अंतर्गत महिलाओं को कानून में दिये गये अधिकार एवं विभिन्न दाण्डिक एवं सिविल कानूनों की जानकारी दिये जाने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता निशा सक्सेना द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को जुलाई 2024 से लागू भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के विभिन्न प्रावधानों को उद्धृत करते हुये बताया गया कि महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों के लिए भारतीय न्याय संहिता में एक पृथक अध्याय जोड़ा गया है। महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों में दण्ड को विस्तारित एवं कठोर किया गया है।

वन स्टॉप सेन्टर की केश वर्कर अरूणिमा पाठक द्वारा वन स्टॉप सेन्टर में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं आश्रय, विधिक सहायता, परामर्श आदि के संबंध में विस्तार से बताते हुये कहा गया कि कलक्ट्रेट परिसर के सामने संचालित वन स्टॉप सेन्टर में किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर समस्त सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती है। परिवीक्षा अधिकारी अनुराग पाण्डेय द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया गया कि यदि किसी महिला के साथ किसी कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न प्रकृति का कोई अपराध होता है तो पीड़ित महिला उक्त कार्यालय में गठित आंतरिक परिवाद समिति अथवा जिला स्तर पर गठित स्थानीय परिवाद समिति के समक्ष शिकायत दर्ज करा सकती है। स्थानीय परिवाद समिति का कार्यालय वन स्टॉप सेन्टर सीधी में स्थापित है। पाक्सो एक्ट के अंतर्गत पीड़ित बालक या उसके संरक्षक राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग कि बेवसाइट में पाक्सो ई-बाक्स पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.सी. त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि महिलाओं से संबंधित कानूनों की जागरूकता हेतु जिले के समस्त विकासखण्ड स्तर पर विधिक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया एवं जागरूकता रैली निकाल कर महिला अधिकारों की संरक्षण के संबंध में संदेश दिया गया। विधिक जागरूकता संगोष्ठी में स्वयंसेवी संगठन के सदस्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग के कर्मचारी, पैरा लिगल वालेन्टियर उपस्थित हुये।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक-268/ई-टेंडर/स्वस्थ्य शाखा/न.पा.नि./2024 रीवा, दिनांक 01.10.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रर्यकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2024_UAD_372665_1	नगर पालिका निगम रीवा द्वारा निम्नलिखित डीजल वाहनो एवं कबाड़ को जहाँ जैसी स्थिती में है, निलामी करने हेतु ऑनलाइन निविदायें लम्प-सम दर पर आंमत्रित की जाती है	3.76 लाख	2000/-25000/-	18/10/2024 05:30 बजें तक।

नोट: - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://mptenders.gov.in** की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

स्वास्थ्य अधिकारी/ वाहन प्रभारी
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

विचार

अरविंद केजरीवाल के निशाने पर संघ क्यों?

दिल्ली के भूतपूर्व मुख्यमंत्री हो चुके अरविंद केजरीवाल के सवालों के घेरे में इन दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के ताजपोशी के अगले ही दिन 'जनता की अदालत' में पहुंचे केजरीवाल ने सीधे-सीधे संघ प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछ लिया। लोकतांत्रिक भारतीय समाज किसी से भी तार्किक सवाल पूछने की अनुमति देता ही है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केजरीवाल के निशाने पर सचमुच मोहन भागवत ही हैं? इसका जवाब केजरीवाल के अतीत के ऐसे ही कुछ सवालों के जरिए तलाशा जा सकता है। बीते लोकसभा चुनाव अभियान के बीच केजरीवाल ने कुछ ऐसा ही सवाल जनता के बीच उछाला था। तब उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी गृहमंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए अभियान चला रहे हैं। लगे हाथों उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी मोदी पर हमला बोला था। तब उन्होंने कहा था कि योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री नहीं बनाया जाएगा। साफ है कि केजरीवाल के निशाने पर मोदी हैं। लेकिन अतीत के जितने चुनावों में उन्होंने सीधे मोदी पर हमला बोला, उन चुनावों में केजरीवाल को फायदे की बजाय उलटा नुकसान ही हुआ। 2014 के आम चुनावों में वे सीधे ही वाराणसी के चुनावी मैदान में मोदी से दो-दो हाथ करने उतर गए थे। तब मीडिया के एक वर्ग और राजनीति के एक हिस्से ने उन्हें खूब तवज्जो दी थी। लेकिन मोदी के सामने वे कहीं ठहर नहीं पाए थे। अपवाद दिल्ली विधानसभा के अतीत के दोनों चुनाव रहे, जिसमें उन्होंने सीधे मोदी को निशाना बनाया और लोगों का रिकॉर्ड समर्थन हासिल करते रहे। चूंकि कुछ ही महीने बाद दिल्ली विधानसभा के चुनाव हैं। इस बीच केजरीवाल अपनी आधी कैबिनेट के साथ जेल यात्रा कर आए हैं। उनके मंत्री रहे सत्येंद्र जैन अब भी जेल में ही हैं। मनीष सिसोदिया 14 महीने के बाद जमानत पर जेल से बाहर हुए हैं। उनके तेज-तर्रार सांसद संजय सिंह भी जेल यात्रा कर चुके हैं। शराब नीति घोटाले में इतनी जेल यात्राओं के बाद केजरीवाल और उनकी पार्टी की वैसी छवि नहीं रही, जैसी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में रही। दिल्ली का सार्वजनिक परिवहन हांफ रहा है। दिल्ली के लोग सार्वजनिक सहूलियतों के लिए तरस रहे हैं। एमसीडी में केजरीवाल के नारे के साथ दिल्ली नगर निगम पर आम आदमी पार्टी का कब्जा हो चुका है। लेकिन एमसीडी की कार्यप्रणाली में गुणवत्तापूर्वक बदलाव होता नजर नहीं आ रहा है। बारिश में तकरीबन पूरी दिल्ली तालाब बनी रही। राजधानी दिल्ली के लिए शर्म की ही बात कही जाएगी कि 48 लोग बारिश के पानी से तालाब बनी दिल्ली में डूबकर मर गए। इन घटनाओं के चलते केजरीवाल के पुराने जलवे की दीवार में दरार पड़ चुकी है। इसी दरार के साथ केजरीवाल को विधान सभा के चुनाव में उतरना है, इसलिए उन्होंने अपने आजमाए नुस्खे को एक बार फिर आजमाने का फैसला किया है। इसलिए मोदी पर वे हमलावर तो हैं, लेकिन सीधे हमले से बच रहे हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग, लगातार बढ़ रहे रोजगार के अवसर

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है।

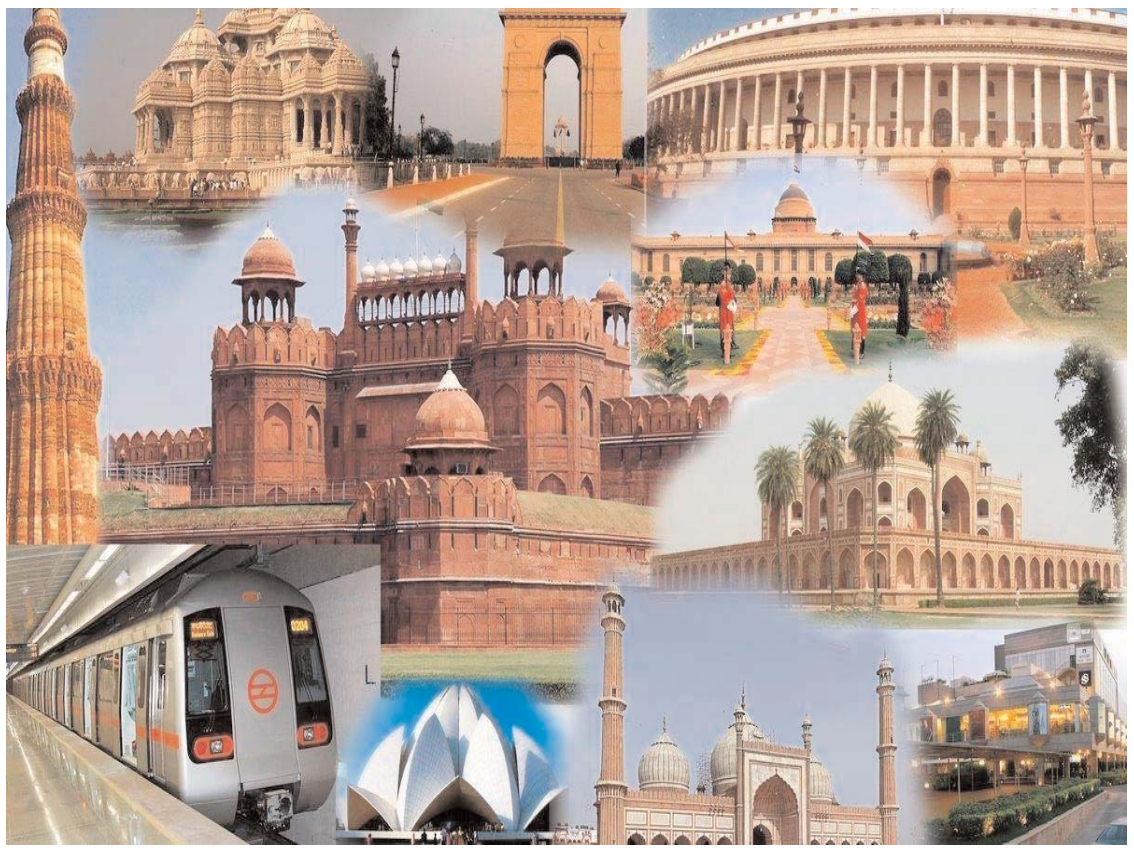

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। विश्व पर्यटन दिवस 2024 की थीम पर्यटन और शांति है। इस थीम का उद्देश्य है कि पर्यटन समुदायों को बदल सकता है। रोजगार पैदा कर सकता है। समावेश को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है। देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई जा रही है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगाार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा धारी व्यक्तियों के पर्यटक सूचना केंद्रों, ट्रैवल एजेंसी, होटल समूहो, विभिन्न हवाई कंपनियों के कार्यालयों टूर ऑपरेटर कंपनियों पर्यटन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं, पर्यटक गाइड आदि में क्षेत्रों में काम करने का मौका अपेक्षाकृत आसानी से मिल सकता है। इस क्षेत्र में महिला कर्मियों की मांग भी तेजी से बढ़ने की पूरी संभावना है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा डिग्री धारी महिलाओं को विशेष रूप से उन पदों पर नियुक्ति के समय वरीयता दी जाती है जहां स्वागत करना या सूचना उपलब्ध कराने जैसे काम होते हैं। इसके पीछे तर्क दिया जाता है कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कहीं अधिक सौम्य व मृदुभाषी होती है। वे नवागंतुक पर्यटक को आसानी से बातें समझा सकती है। टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करने के अवसर इस क्षेत्र में संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक कहे जा सकते हैं। कुछ वर्षों तक पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का अनुभव हासिल करने के बाद पर्यटन प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के पर्यटन शिक्षा में अध्यापन भी किया जा सकता है। देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दो वर्ष की अवधि वाले इन पाठ्यक्रमों में दाखिला पाने की मारामारी को देखते हुए लगभग प्रत्येक संस्थान प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला देता है। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। असल में पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास दो चार बस या कार हो। आप ट्रैवल एजेंट के तौर पर बुकिंग कर अन्य बस आपरेटरों से बस किराए पर लेकर भी टूर आयोजित करवा सकते हैं और अच्छा खासा कमीशन कमा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है। अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है। आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है। आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है।

यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है। भारत में यह अभी भी 6.23 प्रतिशत ही है। जबकि पड़ोसी देशों चीन (8.6), इण्डोनेशिया (9.2), मलेशिया (12.9), श्रीलंका (8.8) तथा थाइलैण्ड (13.9) है जो हमसे बहुत अधिक है।

वर्तमान में भारत वैश्विक यात्रा व पर्यटन विकास सूचकांक-2024 में 15 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021 में भारत 54 वें पायदान पर था। सूचकांक में अमेरिका पहले, स्पेन दूसरे, जापान तीसरे, फ्रांस चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर है। वहीं, जर्मनी छठे, यूनाइटेड किंगडम सातवें, चीन आठवें और इटली नौवें स्थान पर काबिज हैं।

मध्यप्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर बिखरे हैं प्रकृति, वन्य जीवन और अध्यात्म के रंग

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

भारत का जिब्राल्टर 'ग्वालियर का किला', महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का राजमहल, मांडू का जहाज महल, दतिया में सतखंडा महल, रायसेन का दुर्ग, दुर्गावती का मदन महल, जलमग्न रहनेवाला रानी कमलापति का महल और गिन्नौरगढ़ सहित अनेक किले हैं, जो मध्यप्रदेश के स्थापत्य की विविधता का बखान करते हैं। देवों के चरण भी इस धरा पर पड़े हैं। उज्जैन, जहाँ योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण पढ़े। चित्रकूट, जहाँ प्रभु श्रीराम माता सीता और भ्राता लखन सहित वनवास में रहे। ओंकारेश्वर, जहाँ आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने आचार्य गोविन्द भगवत्पाद से दीक्षा ली। मध्यप्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग- महाकाल और ओंकारेश्वर हैं। इसके साथ ही भगवान शिव ने कैलाश और काशी के बाद अमरकंटक को परिवार सहित रहने के लिए चुना है। एक ओर जहाँ द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण प्रतिवर्ष मुरैना में आकर ढ़ाई दिन रहते हैं तो वहीं ओरछा में राजा राम का शासन है। महारानी कुंवर गणेश के पीछे-पीछे श्रीराम अयोध्या से ओरछा तक चले आये थे। ओरछा राजाराम के मंदिर के लिए ही नहीं, अपितु अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है।

मध्यप्रदेश अपने वनों के लिए भी प्रसिद्ध है। सतपुड़ा के घने जंगल का तो अद्भुत वर्णन कवि भवानी प्रसाद मिश्र की कविता में आता ही है। चम्बल के भरकों से लेकर कटनी, उमरिया और जबलपुर से लगा शाहडार का जंगल भी रोमांचक यात्राओं का ठिकाना है। मेकल पर्वत पर सदानीरा माँ नर्मदा का उद्गम स्थल ही नहीं, अपितु वहां का सघन वन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। मध्यप्रदेश भारत का इकलौता राज्य है जहाँ सर्वाधिक 12 राष्ट्रीय उद्यान हैं। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, शिवपुरी, पन्ना और कई अन्य राष्ट्रीय उद्यान लोगों को वन्य जीवन को देखने का दुर्लभ, रोमांचपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। मध्यप्रदेश सफ़ेद बाघ 'मोहन' का ही घर नहीं है, अपितु यह रहस्य और कौतुहल

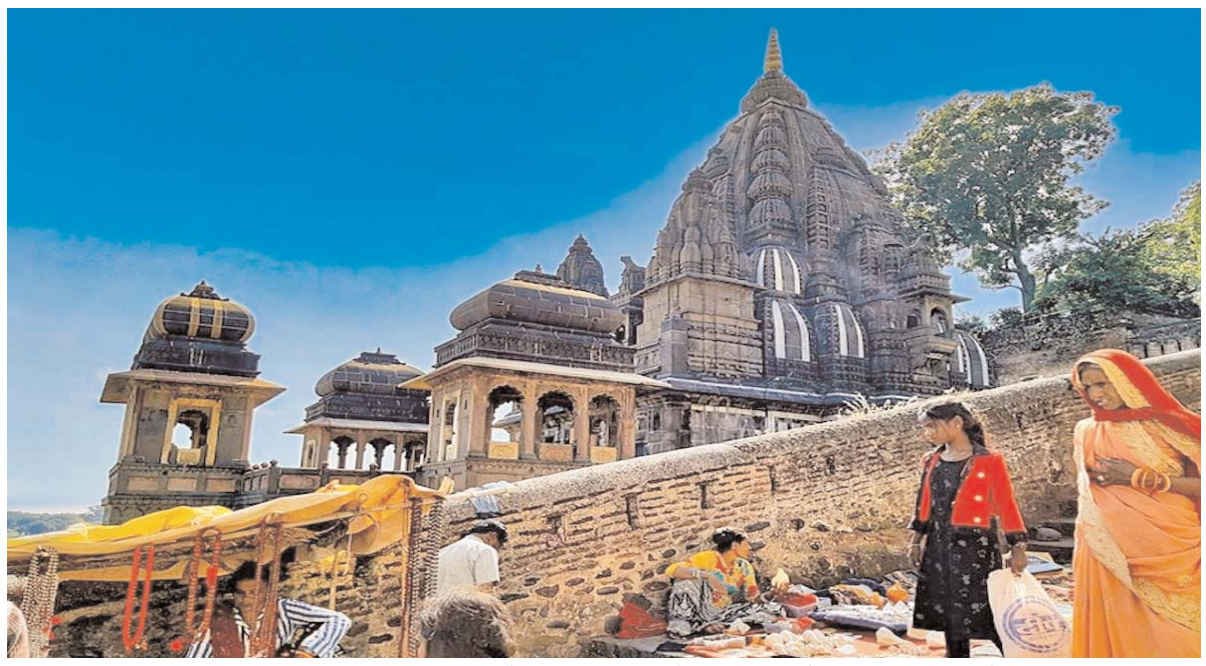

बढ़ानेवाले बालक 'मोगली' का भी जन्मस्थान है। सर विलियम हेनरी स्लीमन ने %एन एकाउंट ऑफ वाल्वस नरचरिंग चिल्ड्रन इन देयर डेन्स% शीर्षक से लिखे अपने एक दस्तावेज में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के जंगल (पेंच टाइगर रिजर्व) में मोगली का घर था। वाइल्डलाइफ पर्यटन मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाता है। वन्य जीवों के संरक्षण के कारण मध्यप्रदेश के पास 'टाइगर स्टेट' के साथ ही %द लेपर्ड स्टेट% और %घड़ियाल स्टेट% का दर्जा भी है। बाघ देखने के लिए न केवल देशभर से बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भी लोग मध्यप्रदेश में आते हैं। भिंड और मुरैना के समीप स्थित चम्बल सफारी तो घडियाल संरक्षण का बड़ा केंद्र बन गई है। कभी डाकुओं के लिए कुख्यात रहे चम्बल के बीहड़ अब डोल्फिन के लिए प्रसिद्ध हैं। भारत में गंगा के बाद सबसे अधिक डोल्फिन चम्बल सफारी में पाए जाते हैं। जनजातीय संस्कृति से साक्षात्कार करने का अवसर भी मध्यप्रदेश देता है। मंडला, उमरिया, छिंदवाडा, बालाघाट, झाबुआ और अनूपपुर में कई स्थान हैं, जो पर्यटन के तौर पर विकसित किये गए हैं। कुछ समय के लिए दुनिया की भागम-भाग से दूर प्रकृति की गोद में सुख की अनुभूति करने के लिए तामिया और पातालकोट जैसे स्थान भी हैं, जो आम पर्यटकों से छिपे हुए हैं। वहीं, मढ़ई, तवा, परसिली, हनुमंतिया जैसे अनेक स्थल भी हैं, जिन्हें पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। पर्यटकों द्वारा खोजे जा रहे नये पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित करने में मध्यप्रदेश की सरकार अग्रणी है। इंदौर के समीप महू से पातालपानी-कालाकुंड तक चलने वाली हेरिटेज ट्रेन भी सीटी बजाकर उन पर्यटकों को बुलाती है, जो प्रकृति के नजारों में खोना चाहते हैं। सब प्रकार के पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध मध्यप्रदेश के ऐसे अनेक स्थान हैं, जो अभी भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्तमान में यूनेस्को की 'विश्व विरासत' की सूची में मध्यप्रदेश के चार स्थल है- बुद्ध का सन्देश देते साँची के स्तूप, प्रागैतिहासिक सभ्यता के चिन्ह भीमबेटिका, सौंदर्य के साक्षी खजुराहो के साथ त्यागमय संस्कृति का प्रतीक ओरछा। ये चारों ही स्थान विदेशी पर्यटकों को लुभाते हैं। मध्यप्रदेश का कोई कोना ऐसा नहीं है, जो पर्यटन की दृष्टि से मरुस्थल हो। ग्वालियर के आसपास ककनमठ, मितावली, पड़ावली, दतिया, सोनागिर, ओरछा, चंदेरी और शिवपुरी का एक ट्रेवल रूट बनता है। भोपाल के आसपास साँची, विदिशा, ग्यारसपुर, उदयगिरी की गुफाएं, भोजपुर, भीमबेटका, देलावाडी और रायसेन एक पर्यटन स्थल समूह बनता है। इंदौर को केंद्र मानकर उज्जैन, हनुमंतिया, ओंकारेश्वर, ब्रह्मपुर (बुरहानपुर), महेश्वर और मांडू का एक पर्यटन स्थल का समूह बनता है। वहीं, जबलपुर से भेड़ाघाट, बरगी, बांधवगढ़, अमरकंटक, कान्हा और पेंच जा सकते हैं। खजुराहो के साथ ओरछा, अजयगढ़, चित्रकूट, मुकुंदपुर वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी, संजय राष्ट्रीय उद्यान, मैहर और हीरों के साथ अपने जंगलों के लिए प्रसिद्ध पन्ना के पर्यटन स्थल घुमे जा सकते हैं। उधर, सतपुड़ा की रानी 'पचमढ़ी' के साथ मढ़ई, तवा, तामिया और पातालकोट का एक पर्यटन समूह बनता है। मध्यप्रदेश के पर्यटन, उसकी समृद्ध विरासत और गौरव का दर्शन करना है तो एक बार मध्यप्रदेश गान पढ़/सुन लेना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार महेश श्रीवास्तव ने इस गीत में मध्यप्रदेश की एक खूबसूरत और गौरवपूर्ण तस्वीर उतार दी है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज चिरमिरी का शुभारंभ

कृषि विश्वविद्यालय तथा नर्सिंग कॉलेज बनाने की घोषणा की

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा अस्थाई भवन आईटीआई कॉलेज के प्रथम तल पर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज चिरमिरी का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य गीत का गायन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके पश्चात जायसवाल ने रिबन काटकर कॉलेज का कक्षाओं का उद्घाटन किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस नए संस्थान के शुभारंभ से क्षेत्र के छात्रों को तकनीकी शिक्षा में बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस कॉलेज की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है इस शुभारंभ के साथ ही चिरमिरी के छात्रों को अब स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने की दो घोषणाएं:-इस दौरान उन्होंने सरभोका के आसपास चिरमिरी में कृषि विश्व विद्यायल बनाने तथा चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ के मध्य एक नर्सिंग कॉलेज बनाने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले सत्र में भौतिक, गणित, हिन्दी तथा अंग्रेजी विषय से यहां के विद्यार्थी स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई कर सकेंगे।

सरकार ने शासकीय पालिटेक्निक कॉलेज के भवन हेतु निर्माण एवं उपकरण तथा साजसजा के लिए 10 करोड़ रूपये की शासकीय स्वीकृति दी है। इसके साथ ही चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 01 में 5 एकड़ भूमि का आबंटन किया गया है। कॉलेज निर्माण के सभी कार्य प्रक्रियाधीन है। पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग, माइनिंग इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) एवं जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) ब्रॉच प्रारंभ किया गया है। सभी ब्रांचों में 60-60 सीट उपलब्ध है। कॉलेज के सुचारू संचालन के लिए 23 शैक्षणिक स्टाफ, 45 सहयोगी स्टाफ कुल 68 लोगों सेटअप तैयार किया गया है। इस कॉलेज को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है तथा छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्वविद्यालय से संबध्यता किया गया है। अभी कॉलेज में सिविल इंजीनिरिंग के 8 तथा माईनिंग इंजीनियरिंग 19 विद्यार्थियों के साथ कुल 27 छात्र है।

आईटीआई कॉलेज के विद्यार्थियों ने नल कलेक्शन, वाटर कूलर, सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए मंच तथा कॉलेज परिसर में मोटर साइकिल स्टैंड की मांग रखी जिन्हें मंत्री जी तुरंत स्वीकृति दे दी और छात्रों को परेशानी न हो इसके लिए उन्होंने तत्काल नगर निगम आयुक्त इनके प्राक्कलन तैयार इसकी जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने नव प्रवेशी छात्र एवं छात्राओं को पेन एवं कॉपी देकर उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम जिला अध्यक्ष अनिल केशरवानी, नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह, भूतपूर्व महापौर डब्ल्यू बेहरा, वार्ड पार्षद राय सिंह, जनप्रतिनिधी, विजयेन्द्र सारथी, नगर निगम आयुक्त राम प्रसाद आंचल, तहसीलदार शशि शेखर मिश्रा, पॉलिटेक्निक कॉलेज प्राचार्य आर. जे. पाण्डेय आईटीआई कॉलेज के छात्र एवं छात्राएं तथा उनके अभिभावक सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फूड कैफे से 4 नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू

बिहार-झारखंड-ओडिसा के रहने वाले बच्चे, कैफे मालिक करा रहे थे जोखिमभरा काम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के दो फूड कैफे से 4 नाबालिग बच्चों को पुलिस ने रेस्क्यू किया है। इस मामले में तहसीलदार के आदेश के बाद तेलीबांधा पुलिस ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज कर लिया है। ये बच्चे बिहार झारखंड और ओडीसा के रहने वाले थे। इन फूड कैफे के मालिक बच्चों से जोखिम भरा काम करवा रहे थे, जिससे इनकी जान को खतरा था। इस मामले में शिकायत होने के बाद रायपुर तहसीलदार के निर्देश पर श्रम विभाग और पुलिस ने बीतें महीने एक्शन लिया था।

ये दोनों कैफे तेलीबांधा थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव में स्थित है। पहले कैफे पाव डोस नाम से है, जिसका मालिक अवनीश गंगवानी है। पुलिस ने इस कैफे से बाल श्रम करते हुए 16 साल के झारखंड के एक नाबालिग और 17 साल का बिहार का एक नाबालिग को रेस्क्यू किया है। इसके अलावा सिप एंड बाइट नाम के एक कैफे जिसका मालिक विशाल बागवानी है। यहां से ओडिसा के 2 बच्चों को रेस्क्यू किया गया है। इनकी उम्र भी 16 और 17 साल है।

पुलिस को इन बच्चों से पूछताछ में पता चला कि इन्हें कैलाश काटा नाम का एक व्यक्ति रोजगार देने के लालच में यहां पर लाया था। लेकिन, इन्हें वादे से कम मेहताना दिया जा रहा था।

गंगा की तर्ज पर अरपा की आरती का ड्रोन

11 हजार दीयों से रिवर व्यू जगमग, अरपा के जयकारों की गूंज

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से माहौल भक्तिमय हो गया है। देवी मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित होने के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है। वहीं, पर्व के पहले दिन अरपा नदी के तट पर 11 हजार दीये जलाकर अरपा नदी की आरती की गई।

इस दौरान लोगों ने नदी को संरक्षित करने का संकल्प भी लिया। आरती के बाद रिवर व्यू अरपा के जयकारों से गूंज उठा। अरपा तट दीयों की रोशनी से जगमग हो गया। इस आरती के ड्रोन ङ्कढ्ढष्ठश्वह में अरपा नदी और शहर की सुंदरता देखते ही बन रही है।

लोगों के मन में अरपा नदी के प्रति प्रेम और श्रद्धा जगाने और उसे संरक्षित करने के लिए अरपा अर्पण महाअभियान समिति ने नवरात्रि पर रिवर व्यू चौपाटी में महाआरती की परंपरा शुरू की है। इसके तहत समिति सदस्यों की ओर से पहले दिन गुरुवार की देर शाम गंगा आरती की तरह अरपा की आरती की गई।

भक्तिमय गीतों से शुरू हुआ आयोजन, दीपों से सजा अरपा तट: इस दौरान लोग अपने-अपने हाथ पर दीये सजाकर रिवर रोड पहुंचे। यहां समिति की ओर से भक्तिमय देवी गीतों का आयोजन किया गया। वहीं, गंगा आरती की तरह 11 वेद पाठी पंडित मंच पर विराजमान थे, जिन्होंने वैदिक मंत्रोचार के साथ 51 जोड़ा परिवारों और सदस्यों को विधि-विधान से पूजा अर्चना कराई। इससे रिवर व्यू रोड का माहौल भक्तिमय हो गया।

डांडिया का भी हुआ आयोजन: अरपा अर्पण महाअभियान के संस्थापक और अध्यक्ष श्याम मोहन दुबे ने बताया कि आचार्य पं सृजन शर्मा ने मुख्य अतिथि व्यंकटेश मंदिर बिलासपुर के आचार्य स्वामी कौशलेन्द्र प्रपन्नाचार्य ने 21 वेद पाठी पंडितों के साथ वैदिक

गरबा-डांडिया की धूम, अभिनेत्री भाग्यश्री और मनारा चोपड़ा भी होंगी शामिल, शहर के अलग-अलग जगहों पर आयोजन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर निप्र। बिलासपुर में आज से गरबा और रास डांडिया की धूम देखने को मिलेगी। सेलिब्रेटी संग युवा थिरकेंगे। नवरात्र पर्व पर इस बार रास डांडिया में शहरवासियों का अपार उत्साह देखने को मिलेगा। शुक्रवार से अलग-अलग जगहों पर गरबा और डांडिया की धूम मचेगी। आयोजन को लेकर युवाओं में खासा उत्साह है।

एसबीआर कॉलेज मैदान में जलसा द डांडिया नाइट 4 और पांच अक्टूबर को होगा, जिसमें बॉलीवुड एक्टर्स और सेलिब्रिटी आ रहीं हैं। एक तरफ नवरात्र पर्व पर देवीमंदिरों में शक्ति की भक्ति की दर्शन और पूजा आराधना करने भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी है।

देवी मंदिरों में लोग पहुंच रहे: वहीं, दूसरी तरफ जगह- जगह विराजित माता रानी की पंडालों से शहर का माहौल भक्तिमय हो गया है। नवरात्र पर्व के दूसरे प्रसिद्ध मां महामाया देवी की मंदिर सहित आसपास के देवी मंदिरों में लोग पहुंच रहे हैं।

अलग-अलग संस्थाएं करेंगी डांडिया का आयोजन: वैसे तो नवरात्र पर्व पर गुजराती समाज की ओर से सामाजिक और पारंपरिक रूप से पूरे 9 दिनों तक गरबा और डांडिया का आयोजन होता है, जिसमें केवल समाज के लोग ही शामिल हो सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ अलग-अलग संस्थाओं की ओर से भी डांडिया का आयोजन किया जाता है।

एसबीआर कॉलेज मैदान में जलसा द डांडिया नाइट: इस बार शहर में नवरात्र के दूसरे दिन से ही रास डांडिया की धूम मचने वाली है। चार और पांच अक्टूबर को एसबीआर कॉलेज मैदान में जलसा द डांडिया नाइट हो रहा है, जिसमें एक्टर्स और सेलिब्रिटी शामिल होंगी।

इसी तरह प्रजाराज्यम की ओर से पंखिड़ा का भी आयोजन हो रहा है। इसमें भी सेलिब्रिटी संग युवा डांडिया करते नजर आएंगे। वहीं भाटिया फ्यूल्स के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेगा रास डांडिया का आयोजन किया जा रहा है।

फिल्म फेम की मशहूर अभिनेत्री भाग्यश्री होंगी शामिल: इस मेगा रास डांडिया में मैने प्यार किया फिल्म फेम की मशहूर अभिनेत्री भाग्यश्री और बिग बास फेम टीवी कलाकार मनारा चोपड़ा शहरवासियों के साथ रास डांडिया खेलेंगी। यह आयोजन 6, 7 और 8 अक्टूबर को होगा।

बाबू के रिश्वत लेने का वीडियों

चेक जारी करने के एवज में सरपंच से मांगे रुपए, 500-500 के नोट लेता दिखा

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के जनपद पंचायत जैजैपुर में पदस्थ बाबू वेंकटेश्वर वर्मा का चेक जारी करने के एवज में रिश्वत लेने का वीडियो सामने आया है। कर्मचारी पिछले बार भी कम पैसा देने की बात करते हुए जेब में पैसा अंदर करता हुआ वीडियो में कैद हुआ है।

जानकारी के अनुसार जैजैपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम बर्रा में विधायक निधि से 2 लाख रुपए से सीसी रोड का निर्माण कराया गया था। जिसमे चेक जारी करने को लेकर जनपद पंचायत में पदस्थ बाबू वेंकटेश्वर वर्मा के द्वारा पैसे की मांग की थी।

500-500 रुपए के 4 नोट टेबल पर रखे: वीडियो में सरपंच के द्वारा 500- 500 रुपए के 4 नोट टेबल में रखे दिख रहे हैं। वहीं पहले भी कम पैसा दिए जाने की बात जनपद पंचायत में पदस्थ बाबू सरपंच से कह रहा है। जिसके बाद बाबू ने टेबल में रखे पैसे को अपने जेब में डालता नजर आ रहा है। फिलहाल, अधिकारी इस मामले में कोई जवाब नहीं दे रहे हैं।

"विश्व पशु कल्याण दिवस", पशु कल्याण और संरक्षण के लिए सशक्त कदम उठाने की जरूरत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। हमारी धरती पर पाए जाने वाले सभी जीव-जंतु पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक होते हैं। पशुओं का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है, बल्कि उनके जीवन और अस्तित्व को सुरक्षित रखने के लिए भी अनिवार्य है। इसी दृष्टिकोण के साथ हर साल 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पशुओं के अधिकारों और कल्याण की दिशा में जागरूकता बढ़ाना है द्य ताकि सभी जानवरों को एक बेहतर जीवन मिल सके। इस विश्व पशु कल्याण दिवस की शुरुआत 1931 में फ्लोरेंस, इटली में हुई थी। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय पशु संरक्षण सम्मेलन के दौरान मनाया गया । जहां इस दिन को वैश्विक स्तर पर पशुओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित किया गया। इस दिन का चयन संत फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में किया गया जिन्हें पशुओं और प्रकृति का संरक्षक माना जाता है। संत फ्रांसिस का मानना था कि हर जीवित प्राणी को सम्मान और दया का हकदार है। इस दिन की शुरुआत के साथ पशु कल्याण पर जागरूकता फैलाने का कार्य एक वैश्विक आंदोलन के रूप में शुरू हुआ जो समय के साथ और भी व्यापक रूप से स्वीकार्य हुआ।

भारत में पशु संरक्षण की जरूरत और चुनौतियां: भारत जैव विविधता के मामले में एक समृद्ध देश है। यहां के जंगल, पहाड़, समुद्र और घास के मैदान अनगिनत प्रकार की पशु प्रजातियों का घर हैं। भारतीय संस्कृति में भी पशुओं को हमेशा से विशेष स्थान दिया गया है, चाहे वह धार्मिक रूप से हो या समाजिक रूप से इसके बावजूद तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और वनों की कटाई के कारण पशुओं के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। भारत में आज कई प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं और इनके संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

केंद्र और राज्य सरकार की पहल: भारत सरकार ने पशु कल्याण और संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें केंद्र और राज्य स्तर पर कई योजनाएं और नीतियां लागू की गई है, जिनका मुख्य उद्देश्य पशुओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960:- यह अधिनियम भारत में पशुओं के प्रति होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए बनाया गया है। इसके तहत पशुओं पर अत्याचार करने वालों को दंडित किया जाता है। इसके तहत किसी भी प्रकार की क्रूरता जैसे मारपीट, अत्यधिक भार ढोना, भूखा रखना आदि को अपराध माना गया है। यह कानून पशुओं के प्रति मानवीय व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972:- भारत सरकार द्वारा लागू किया गया यह कानून वन्यजीवों और उनके आवासों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके तहत कई राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना की गई है जहां वन्यजीव सुरक्षित रह सकें। इस कानून के अंतर्गत संरक्षित और संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची तैयार की जाती है जिनकी रक्षा के लिए सरकार विशेष प्रबंध करती है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना:- केंद्र सरकार ने देशी गाय/ भैंस/ बकरी की नस्लों को सुधारने और उनके संरक्षण के लिए "राष्ट्रीय गोकुल मिशन" की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य देशी नस्लों की रक्षा करना और दूध उत्पादन को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत गोशालाओं और गोवंशों की देखरेख के लिए विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस प्रकार छत्तीसगढ़ सरकार भी पशुओं के कल्याण उनकी सुरक्षा और उनके विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है। ये योजनाएं मुख्य रूप से कृषि, डेयरी उद्योग, मवेशियों की देखभाल और वन्यजीव संरक्षण के लिए हैं। राज्य सरकार के ये प्रयास न केवल पशुओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका सुधारने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र सरकार की "राष्ट्रीय गोकुल मिशन" योजना के अंतर्गत देशी नस्ल के गायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। इसके साथ ही "गोकुल ग्रामों की स्थापना" छत्तीसगढ़ में कई गोकुल ग्रामों की स्थापना की गई है जहां देशी नस्ल की गायों को संरक्षित और संवर्धित किया जा रहा है। गायों की बेहतर स्वास्थ्य के लिए विशेष पशु चिकित्सालय, पशु मोबाइल यूनिट और चिकित्सा सुविधाएं स्थापित की गई हैं।

बहन से छेड़खानी के विरोध पर भाई को पीटा

लात-घूंसों, बेल्ट से मारा, कार में की तोड़फोड़, सभी आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में युवती से छेड़छाड़ का विरोध करने पर कुछ युवकों ने उसके भाई की पिटाई कर दी। उसको जमीन पर पटक दिया और लात-घूंसों, बेल्ट से जमकर पीटा। जब वह जाने लगा तो रास्ते में आरोपियों ने रोककर गाड़ी में भी तोड़फोड़ कर दी। जानकारी के मुताबिक, मारपीट का मामला चकरभाटा क्षेत्र में बुधवार रात का है। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने अब केस दर्ज किया है। मारपीट में दो आरोपियों अंकित सिंह और अमनदीप सलूजा की पहचान हुई है। सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

लड़कियों का हाथ पकड़कर कर रहे थे छेड़खानी: बताया जा रहा है कि सिरगिट्?टी क्षेत्र की 29 साल की युवती अपनी सहेली और भाई के साथ खाना खाने चकरभाठा स्थित काली ढाबा गई थी। वहां पहुंचने के बाद युवती अपनी सहेली के साथ ढाबे में ही पीछे की ओर बने वॉशरूम जा रही थी। तभी अंकित और अमनदीप वहां मिल गए। आरोप है कि दोनों ने युवतियों का हाथ पकड़कर छेड़खानी शुरू कर दी। दोनों युवतियों ने किसी तरह वहां से भागकर इसकी जानकारी अपने भाई को दी। इस पर युवती का भाई आरोपियों के पास पहुंचा और उसने समझाने लगा। इसे लेकर उनके बीच विवाद शुरू हो गया।

रास्ते में रोककर कार के शीशे भी तोड़े: आरोप है कि, इस दौरान अंकित और अमन ने अपने अन्य दोस्तों के साथ मिलकर युवक को पकड़ लिया और पीटना शुरू कर दिया। युवक को जमीन पर पटक कर आरोपियों ने उसे लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। युवतियां बीच-बचाव करने पहुंची तो उनसे भी मारपीट की गई। फिर आरोपी भाग निकले। उनके जाने के बाद युवती, उसकी सहेली और भाई भी अपनी कार से घर लौटने के लिए निकले। तभी रास्ते में अंकित फिर अपने साथियों के साथ मिल गया। आरोप है कि अंकित ने उनकी कार रुकवा ली और पत्थर मारकर शीशा तोड़ दिया। अगले दिन गुरुवार सुबह युवतियां थाने पहुंची और चकरभाठा थाने शिकायत दी।

वीडियो में युवक को जमीन पर पटकते दिखे बदमाश: युवकों की मारपीट और गुंडागर्दी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें युवक को पीटते हुए आरोपी दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने ढाबा संचालक से पूछताछ की है। इसमें पता चला कि ढाबे का सीसीटीवी चार दिन से बंद है। इसके कारण फुटेज नहीं मिल सके। वीडियो से आरोपियों की पहचान की जा रही है।

भाई ने किया था दोस्त को अगवा: आरोपी अंकित सिंह के भाई अनुराग सिंह के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया था। तब उसने बुजुर्ग को चाकू दिखा कर धमकाया था। इसके साथ ही दोस्त को अगवा कर लिया था और उसकी पिटाई की थी। हालांकि, इसका वीडियो वायरल होने के बाद दोस्त ने समझौता कर लिया था। अंकित सिंह किसी रेत ठेकेदार का बेटा बताया जा रहा है। जबकि अमनदीप कैफे संचालक का बेटा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर ली है। बाकी आरोपियों की पहचान की जा रही है। सभी आरोपी अभी पकड़ से बाहर हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

जुआ खेलते 4 युवक गिरफ्तार

चौराहे के पास सजी थी महफिल, 16 हजार कैश जब्त, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर में जुआ खेलते 4 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये सभी युवक कबीर नगर के गोल चौक के पास एक खाली जगह में जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 16 हजार कैश भी जब्त किया है। मामला कबीरनगर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली कि कबीर नगर स्थित गोल चौक के पास कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे हैं। जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और थाना प्रभारी कबीरनगर के नेतृत्व में टीम को रवाना किया गया। घेराबंदी करने पर पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ये सामान हुए जब्त: पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी रकम 16 हजार रुपए, 52 पत्ती जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ कबीर नगर पुलिस ने एफआईबआर दर्ज करते हुए जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा लगाई है।

आरोपियों के नाम- श्रीकांत देवांगन पिता कमलेश्वर सिंह देवांगन, उम्र 36 वर्ष, साकिन केबीटी 40 थाना कबीर नगर रायपुर। जयप्रकाश अग्रवाल पिता स्व. श्याम सुंदर अग्रवाल, उम्र 42 वर्ष, साकिन केबीटी 305 फेस 3, थाना कबीर नगर रायपुर। आकाश जैन पिता रमेश जैन, उम्र 32 वर्ष, साकिन सिंगापुर सिटी ब्लॉक नंबर 3, प्रथम तल मकान नंबर 01 श्व थाना सरस्वती नगर रायपुर। शिवेंद्र जायसवाल उर्फ लल्ला पिता राजभान जायसवाल, उम्र 20 वर्ष, साकिन अटल आवास ब्लॉक नंबर 02, थाना कबीर नगर रायपुर।

हाईकोर्ट ने कहा-सड़क पर हर जगह गड्ढे ही गड्ढे शासन का जवाब- फंड जारी कर दिया, चीफ जस्टिस बोले- यूज होगा या मिस-यूज

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की सड़कों को लेकर हाईकोर्ट ने एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि सब जगह गड्ढे ही गड्ढे हैं। जब सरकार की ओर से बताया गया कि फंड जारी किया गया है तो कोर्ट ने कहा कि उसका उपयोग होगा या मिस यूज।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने गुरुवार को अतिरिक्त महाधिवक्ता से कहा कि रोड की हालत तो बहुत खराब है। आप भी सफर करते हैं तो देखते होंगे। सब जगह गड्ढे ही गड्ढे हैं। हाईकोर्ट आते और घर जाते समय याद आता है या नहीं। साथ ही एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम को शपथ पत्र के साथ प्रोग्रेस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। अगली सुनवाई अब 18 नवंबर को होगी। प्रदेश भर में खराब सड़कों को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में लंबे समय से सुनवाई चल रही है।

एनएचएआई का जवाब- ब्लैक स्पॉट पर जल्द शुरू होगा काम: सुनवाई के दौरान एनएचएआई की ओर से हलफनामा पेश कर बताया कि सेंदरी फोरलेन के पास जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है।

ककड़ी खाने के बाद बच्चे की मौत, 4 बीमार

सभी एक ही परिवार के सदस्य, दो बहनें आईसीयू में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रतलाम एजेंसी। रतलाम में बालम ककड़ी खाने के बाद एक ही परिवार के 5 लोग बीमार हो गए। इनमें से पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। दो बच्चियां मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू जबकि उनकी मां जनरल वार्ड में भर्ती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सभी को फूड पॉइजनिंग हुई थी।

मामला रतलाम के जड़वासा कलां गांव का है। यहां रहने वाले मांगीलाल पाटीदार (36) सोमवार शाम सैलाना-धामनोद रोड से बालम ककड़ी खरीदकर लाए थे। मंगलवार शाम मांगीलाल ने पत्नी कविता, बेटी दक्षिता (11), साक्षी (8) और बेटे क्रियांश (5) के साथ मिलकर बालम ककड़ी खाई। बुधवार सुबह करीब 5 बजे सभी को उल्टियां होने लगीं तो वे प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने दवा देकर घर लौटा दिया। बुधवार रात 3 बजे कविता, बेटी दक्षिता, साक्षी और बेटे क्रियांश को फिर उल्टियां होने लगीं। परिजन चारों को लेकर मेडिकल अस्पताल पहुंचे। यहां सुबह 4 बजे डॉक्टरों ने क्रियांश को मृत घोषित कर दिया।

मेडिकल स्टोर से लेकर दवा खाई थी: क्रियांश की मां कविता ने बताया कि खाना खाने के बाद ककड़ी खाई थी। उसके बाद उल्टियां हुई। हम सबसे पहले मेडिकल स्टोर से दवा लेकर आए, लेकिन असर नहीं हुआ। क्रियांश के काका रवि पाटीदार ने बताया कि भतीजियों- दक्षिता और साक्षी को स्थिति गंभीर होने पर आईसीयू में भर्ती कराया गया है। भाभी कविता को सामान्य वार्ड में भर्ती किया है।

फूड पॉइजनिंग के बाद भर्ती कराए गए थे: रतलाम मेडिकल कॉलेज के ऐपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. गौरव बोरीवाल ने बताया कि पांचों मरीज फूड पॉइजनिंग के कारण बीमार होकर आए थे। सही ?इलाज मिलने में लंबा गैप होने से भी स्थिति बिगड़ी। क्रियांश का ब्लड सैम्पल लिया है, जांच करवाई जाएगी।

मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. विनय शर्मा ने कहा कि प्रथम दृष्टया बच्चे की मौत फूड पॉइजनिंग से हुई है। मां और दो बेटियों को इलाज किया जा रहा है। पुलिस चौकी को इन्वेस्टिगेशन के लिए लिखकर दिया था। वहीं, पुलिस चौकी प्रभारी सुनील राघव ने बताया कि फिलहाल इस तरह का मामला नहीं आया है। जानकारी आएगी तो पड़ताल की जाएगी।

पेस्टिसाइड्स का इफेक्ट हो सकता है: मेडिकल कॉलेज के सहायक अधीक्षक डॉ. प्रदीप मिश्रा का कहना है कि बच्चे की मौत को सीधे तौर पर बालम ककड़ी का इफेक्ट नहीं मान सकते। इसकी पैदावार में पेस्टीसाइट्स का उपयोग किया जाता है। हो सकता है कि परिवार ने खाने से पहले ककड़ी को अच्छी तरह धोया नहीं होगा। उल्टी-दस्त के कारण बच्चों के शरीर में पानी की कमी आ जाती है, इससे भी मौत हो सकती है।

कीटनाशक का छिड़काव करते हैं किसान: ऐपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. गौरव बोरीवाल ने बताया, 'किसान फल और सब्जियों में लगने वाले कीड़ों को मारने के लिए कीटनाशक का छिड़काव करते हैं, जो इनको अच्छी तरह धोने से ही साफ हो पाता है। ककड़ी में पित्त भी होता है, जिसे उसके दोनों सिरों को काटने के बाद रगड़कर निकाला जाता है। ककड़ी देखकर खरीदें कि कहीं यह ज्यादा पुरानी तो नहीं है। फल और सब्जी को काटते समय चेक करें क्योंकि इनमें कई बार कीड़े भी निकलते हैं।

देवास टेकरी यहां माता का शक्तिपीठ नहीं, रक्तपीठ

300 फीट ऊंची चोटी पर बहन के साथ विराजीं तुलजा भवानी, 5 पान के बीड़े का भोग

मीडिया ऑडीटर, देवास एजेंसी। हे मां! मुझे सौभाग्य और आरोग्य दो। परम सुख दो, रूप दो, यश दो, जय दो। मेरे काम-क्रोध आदि शत्रुओं का नाश करो :- यही मुरादें लिए भक्त सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। वे माता रानी के जयकारे लगा रहे हैं। 300 सीढ़ियां चढ़कर माता के दर पर माथा टेकने के बाद उनके चेहरे पर सुकून नजर आ रहा है। यह सब कुछ इन दिनों देखने को मिल रहा है देवास टेकरी पर। यहां ऊंची चोटी पर विराजित मां तुलजा भवानी और मां चामुंडा के दर्शन को देशभर से भक्त पहुंच रहे हैं।

देवास रियासत की कुलदेवी: मध्यप्रदेश के देवास में मां चामुंडा और तुलजा भवानी जिस पहाड़ी पर विराजमान हैं, वह समुद्र तल से 300 फीट की ऊंचाई पर है। मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को 300 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। भक्त रपट मार्ग और रोप वे से भी टेकरी तक पहुंच सकते हैं।

दोनों माता के दर्शन के लिए ऊपर भक्तों को 1 किमी लंबे परिक्रमा मार्ग से गुजरना होता है। परिक्रमा पथ पर हनुमान मंदिर, अष्टभुजा मंदिर, अन्नपूर्णा माता मंदिर, खो-खो माता मंदिर के भी दर्शन होते हैं। दोनों माताएं देवास रियासत की कुलदेवी हैं।

माता का रक्त गिरा इसलिए रक्तपीठ कहलाया: मुख्य पुजारी मुकेश नाथ ने बताया कि मंदिर का इतिहास करीब ढाई हजार साल पुराना है। यहां देवताओं का वास है इसलिए इसे देवास कहा जाता है। जहां मां के अंग गिरे, वह शक्तिपीठ हो गया। जहां रक्त गिरा, वह रक्तपीठ कहा गया। उन्हीं में से एक रक्तपीठ देवास में है। यहां देवी मां का रक्त गिरा था इसलिए यहां मां चामुण्डा का प्राकट्य हुआ।

देवास टेकरी पर एक किमी लंबा परिक्रमा पथ है। भक्त इस मार्ग से अलग-अलग मंदिरों तक पहुंचकर देवी-देवताओं का आशीर्वाद लेते हैं। पूरे परिक्रमा पथ पर कॉरपेट बिछाया गया है। पानी के लिए जगह-जगह मटके रखे गए हैं। छाया के लिए टीन शेड और टेंट हैं। पूरी पहाड़ी को रंग-बिरंगी लाइट्स से सजाया गया है। सभी मंदिरों की सजावट फूलों से की गई है।

यहां 9 माताओं की उत्पत्ति हुई: ऐसी मान्यता है कि यहां नौ माताओं की उत्पत्ति हुई- तुलजा भवानी, चामुंडा, पार्वती, विजयासन, कालिका, अष्टभुजा, अन्नापूर्णा, खो-खो माता और अंबे माता। जब मां का यहां रक्त गिरा, तब तुलजा भवानी और चामुंडा माता साथ में थीं। दोनों माता, जहां अभी तुलजा भवानी विराजित हैं, यहीं पर खड़ी थीं।

बड़ी माता और छोटी माता के बीच बहनों का रिश्ता है। दोनों में कुछ बात को लेकर मतभेद हो गया। इसके चलते दोनों माताएं अपना-अपना स्थान छोड़कर जाने लगीं। माता चामुंडा पहाड़ को फाड़ती हुई आगे बढ़ीं। वे पहाड़ी के दूसरी ओर चली गईं जबकि बड़ी माता तुलजा भवानी पाताल में समाने लगीं।

साक्ष्य के रूप में आज भी पहाड़ी पर वो दरार मौजूद है। दोनों माताओं के मतभेद देखकर हनुमान जी और भैरव बाबा ने उनका क्रोध शांत करने और वहां रुकने की विनती की। उस दौरान बड़ी माता का आधा शरीर पाताल में समा चुका था।

छोटी माता जिस अवस्था में नीचे उतर रही थीं, उसी विराट अवस्था में पहाड़ी की दूसरी ओर विराजमान हो गईं। यही कारण है कि तुलजा भवानी का मुख दक्षिण की ओर और चामुंडा का मुख उत्तर की ओर है।

माता के तीन रूप में होते हैं दर्शन: मां चामुण्डा और तुलजा भवानी का दरबार कई प्रकार की विशेषताओं से जाना जाता है। माता तुलजा भवानी तीन रूपों में भक्तों को दर्शन देती हैं। सुबह मां के चेहरे पर बाल रूप, दोपहर में युवा अवस्था और रात में माता रानी का वृद्ध स्वरूप दिखता है।

जहां माता का स्थान, वहां कुंड: देवास टेकरी पर बड़ी और छोटी माता के अलावा भी कई देवी मंदिर हैं। हर मंदिर परिसर में एक प्राचीन कुंड है। पुजारी के अनुसार कुंड की मान्यता है कि यहां माता प्रतिदिन स्नान करती हैं।

हनुमान आगे, भैरव चलते हैं पीछे: माता रानी के पास हनुमान मंदिर को लेकर पुजारी ने बताया, 'शास्त्रों में कहा गया है कि हनुमान जी मां भगवती के पुत्र रूप में उनके साथ रहते हैं। वे ही मां की अगवानी करते हैं। माता रानी जहां भी जाती हैं, आगे-आगे हनुमान और पीछे भैरव बाबा चलते हैं।'

परिक्रमा पथ पर 9 रूपों के दर्शन: परिक्रमा पथ की शुरुआत बड़ी माता तुलजा भवानी मंदिर से शुरू होती है, जो हनुमान मंदिर, कालिका माता मंदिर, अष्टभुजा मंदिर, अन्नपूर्णा माता मंदिर, खो-खो माता मंदिर से होते हुए छोटी माता देवी चामुंडा मंदिर तक पहुंचती है। चामुंडा माता मंदिर के पास ही हनुमान जी और कालभैरव के दर पर भी भक्त माथा टेकते हैं।

टेकरी पर जाने के दो रास्ते: टेकरी पर जाने के लिए पैदल रास्ते के अलावा रोप वे भी हैं। भक्तों को माता मंदिर तक पहुंचने के लिए 300 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। रोप वे में 376 मीटर की डिस्टेंस राइडिंग के लिए 12 ट्रॉली हैं। एक ट्रॉली में एक बार में 4 लोग सवार हो सकते हैं। इससे साढ़े 5 मिनट में भक्त टेकरी पर पहुंचते हैं। भक्तों को भोपाल चौराहे के पास से रोपवे की सुविधा मिलती है। रोप-वे परिसर में फ्री में वाहन पार्क कर टेकरी तक पहुंच सकते हैं।

यहां व्हील चेयर के साथ ही पेयजल और टायलेट की फ्री व्यवस्था है। सुंदर दृश्य देख सकें, इसलिए ट्रॉली को बीच में 30 सेकंड के लिए रोक जाता है।

माता को चढ़ाते हैं पान का बीड़ा: पुजारी मुकेश नाथ ने बताया कि महिलाएं यहां सुहाग का सामान चढ़ाती हैं। किसी को बोलने में दिक्कत होती है तो वह माता को चांदी की जीभ, किसी को चलने में दिक्कत है तो वह चांदी के चरण अर्पित करता है। 56 भोग के साथ ही पांच प्रकार के फलों से भी माता को भोग लगता है। भोग या चुनरी चढ़ाने की भी जरूरत नहीं है, आप हाथ जोड़कर माता से मांगोगे तो आपकी मनोकामना पूरी होगी।

पुजारी ने कहा कि जिन्हें संतान नहीं होती, उन्हें माता के समक्ष बैठाया जाता है। माता के मुंह में पांच पान का बीड़ा लगाया जाता है, जो महिला की गोद में गिरता है। अगर ऐसा होता है तो माना जाता है कि माता ने उनकी मनोकामना सुन ली है। देश में यह एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां उलटा स्वास्तिक बनाया जाता है। मनोकामना पूरी होने पर भक्त सीधा स्वास्तिक बनाते हैं।

सुरंग से उज्जैन से देवास आते थे राजा भर्तृहरि: पुजारी मुकेश नाथ ने बताया, 'ऐसी मान्यता है कि राजा भर्तृहरि माता पूजन के लिए उज्जैन से आया करते थे। देवास की माता टेकरी को उज्जैन से जोड़ने के लिए एक सुरंग बनाई गई थी। 45 किलोमीटर लंबी इसी सुरंग से होते हुए राजा भर्तृहरि गुप्त मार्ग से यहां पहुंचते थे। इसे ही उज्जैन की भर्तृहरि गुफा कहते हैं।

आज भी छोटी माता मंदिर के पास गुफा है। गुफा में 7 दरवाजे हैं। यहां ऐसी कई गुफाएं हैं, जहां राजा भर्तृहरि और नागा नाथ के साथ ही कई बड़े संतों ने तपस्या की।'

उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण देवास स्टेट के समय हुआ। मैं नाथ संप्रदाय की 41वीं पीढ़ी का बेटा हूं और माता का पूजन-अर्चन कर रहा हूं। नाथ संप्रदाय की पूजा तो आदिकाल से चली आ रही है। यहां गुरु गोरखनाथ, राजा भर्तृहरि और विक्रमादित्य ने भी साधना की। शीलनाथ बाबा की उत्पत्ति भी यहीं पर हुई।

भगवान शंकर ने किया था देवास में हवन: पुजारी के अनुसार, शास्त्रों में बताया गया है कि माता टेकरी से तीन किमी दूर शंकरगढ़ है। भगवान शंकर यहां काफी समय तक रहे इसलिए इसका नाम शंकरगढ़ पड़ा। पृथ्वी पर सांपों की संख्या बढ़ने पर बाबा भोलेनाथ ने यहां हवन किया और नागों को पकड़कर उनका समापन किया। जो उड़ने वाले सर्प थे, वे आज भी पृथ्वी पर विचरण कर रहे हैं। भगवान ऐसा नहीं करते तो पृथ्वी पर रहना मुश्किल हो जाता।

ऐसी है भोजन-प्रसादी व्यवस्था: टेकरी पर मंदिर परिसर में ही भक्तों के लिए 20 रुपए में भर पेट भोजन- पूड़ी, आलू-टमाटर की सब्जी और फलाहारी खिचड़ी की व्यवस्था है। आम दिनों में सुबह 11 से रात 8 बजे जबकि नवरात्रि पर सुबह 11 बजे से रात 2 बजे तक प्रसादी मिलती है।

प्रसाद काउंटर से बेसन के लड्डू और मूंगफली की चक्की भी भक्त ले सकते हैं। 1 किलो 400 रुपए, 500 ग्राम 200 और 250 ग्राम के लिए 100 रुपए चुकाने होंगे।

भाजपा की नसीहत-गरबा में गैर हिंदू मिला तो खुद जिम्मेदार

भाजपा उपाध्यक्ष ने कहा-आधार कार्ड और आईडी साथ में रखें, तिलक लगाकर आएं

मीडिया ऑडीटर, उज्जैन एजेंसी। उज्जैन में कालीदास अकादमी परिसर में न्यू नवरंग डांडिया-2024 का आयोजन किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले गैर हिंदूओं को भाजपा उपाध्यक्ष ने सीधे तौर पर नसीहत दी है कि वे गरबा कार्यक्रम में नहीं आएं। अपना आधार और आइडी कार्ड भी साथ में लेकर आएं। गरबे में अगर कोई गैर हिंदू मिलता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी हिंदुओं से तिलक लगाकर आने को कहा है।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के संरक्षण में न्यू नवरंग डांडिया का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को गरबा के पहले ही दिन शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस भीड़ में खलल नहीं पड़े, इसलिए आयोजक भी लगातार माइक से गैर हिंदुओं को गरबा आयोजन से बाहर जाने का अनाउंस करते रहे।

गैर हिंदू मिला तो वो खुद जिम्मेदार होगा: भाजपा नगर उपाध्यक्ष मुकेश यादव ने मंच से कहा कि गरबा में कोई गैर हिन्दू मिला तो, इसका वो खुद जिम्मेदार होगा। आधार कार्ड आवश्यक रूप से साथ में रखे और हमारे कार्यकर्ता चेक करेंगे। अवैध निकलता है तो कुछ गड़बड़ हो जाएगी।

यादव ने कहा- कार्यक्रम में दखल देकर उन्माद ना फैलाएं, इसके लिए लोगों को सचेत किया जा रहा है। गरबों की दो प्रस्तुति के बाद जब पूरा पंडाल भरा गया, तब मंच से फिर गैर हिन्दुओं को निकलने की नसीहत दी गई। मुकेश यादव ने कहा कि मैं फिर से बोल रहा हूं कि कोई गैर हिन्दू मिल गया, तो वो खुद जिम्मेदार होगा। आधार कार्ड आवश्यक रखे। साथ में हमारे कार्यकर्ता चेक कर रहे हैं।

नवरात्रि के पहले दिन उज्जैन में गरबा पंडाल में गरबों की धूम रही। न्यू नवरंग डांडिया संस्था के अध्यक्ष भाजपा नगर उपाध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संरक्षण में 9 दिवसीय गरबा महोत्सव में कालिदास अकादमी में प्रतिदिन शाम 8 बजे से बालिकाएं-युवतियां गरबा कर रही हैं।

स्कूल में 9वीं के स्टूडेंट की चाकू मारकर हत्या

8वीं के छात्र ने छुट्टी के बाद किया हमला, दो दिन पहले भी दी थी धमकी

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर एजेंसी। जबलपुर में 9वीं के छात्र की स्कूल कैंपस में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। स्कूल की छुट्टी होते ही 8वीं के छात्र ने उस पर हमला कर दिया। आरोपी ने दो दिन पहले भी मोबाइल पर जान से मारने की धमकी दी थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

वारदात जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर शहपुरा थाना क्षेत्र के नटवारा गांव में गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे की है। लहूलुहान हालत में छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां से जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। यहां शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक छात्र की पहचान रोहित प्रजापति (16) के रूप में हुई है। 15 साल का आरोपी 8वीं में पढ़ता है।

स्कूल के ग्राउंड में खड़ा था, आरोपी ने चाकू मार दिया: शहपुरा थाना प्रभारी जितेंद्र पाटकर ने बताया, रोहित प्रजापति नटवारा गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ता था। गुरुवार शाम 4: 30 बजे स्कूल की छुट्टी हुई। सभी बच्चे घर जाने के लिए ग्राउंड में खड़े थे। इसी दौरान 8वीं में पढ़ने वाले 15 साल के लड़के ने रोहित के पेट में चाकू मार दिया। इसके बाद भाग गया। स्कूल स्टाफ मौके पर

पहुंचा। पुलिस और घायल छात्र के परिजन को सूचना दी।

पुलिस ने आरोपी छात्र को गिरफ्तार किया: घायल को तुरंत शहपुरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। यहां उसकी मौत हो गई। परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया।

होटल में दतिया के युवक को मारी गोली

जिला अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मामला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी एजेंसी। शिवपुरी के दिनारा थाना क्षेत्र के एक होटल पर पार्टी कर रहे दतिया जिले के रहने वाले युवक में तीन युवकों ने आकर गोली मार दी।

इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं।

दतिया जिले के जिगना थाना क्षेत्र के वगेधरी के रहने वाले तारा सिंह यादव पुत्र भगवान सिंह यादव ने बताया कि गुरुवार की रात वह अपने तीन दोस्तों के साथ रविन्द्र, बबलू और मोहित के साथ दिनारा थाना क्षेत्र के एक होटल पर पार्टी करने पहुंचे थे। यहां उससे पुरानी रंजिश रखने वाले विशाल यादव, मुन्ना यादव और ब्रह्मा यादव ने मौके पर आकर फायर कर दिया था और मौके से फरार हो गए थे।

दिनारा थाना प्रभारी विनोद भार्गव का कहना हैं कि तारा सिंह और उसके कुछ साथी एकांत में बैठकर कर शराब पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों के द्वारा फायर किया गया हैं। तारा सिंह के पैर में छर्रे लगे हैं। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना में लिया हैं।

विधायक सेना पटेल ने लगाया जनता दरबार

क्षेत्रीय लोगों की समस्याएं सुनी, ग्रामीणों ने की फसल नुकसान के सर्वे की मांग

मीडिया ऑडीटर, आलीराजपुर एजेंसी। जोबट विधायक सेना पटेल ने शुक्रवार को कड्डीवाड़ा डाक बंगले में कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर जनता दरबार लगाया। यहां सैकड़ों कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान किया।

विधायक पटेल ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि आपके द्वारा दिए गए आवेदनों का तत्काल निराकरण कर हैंडपंप, विद्युत डीपी, बिजली के पोल, रोड, निस्तार तालाब, बेराज के कार्य किया जा रहे हैं। अगर किसी गांव में कोई कार्य छूट गया हो तो मुझे नोट करा दे उसका तत्काल निराकरण किया जाएगा। साथ ही सड़क निर्माण के लिए अपने क्षेत्र में सर्वे कराया जा रहा है। कोई भी फलिया आने वाले समय में सर्वे में न छूटे।

अब तक नहीं हुआ खराब फसलों का सर्वे

ग्रामीणजनों ने विधायक पटेल से कहा कि आपके द्वारा पूर्व में हमें अवगत कराया गया कि आपने लेटर के माध्यम से मुख्यमंत्री और कलेक्टर को खराब फसल का सर्वे कराने का पत्र लिखा है। पर आज तक क्षेत्र में कोई सर्वे नहीं कराया गया। जिस पर विधायक ने प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मोहन यादव की सरकार में कर्मचारी नींद में है। अभी तक उनको किसानों का दर्द समझ में नहीं आ रहा है। मैं फिर से कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्र लिखूंगी। अगर फिर भी सर्वे नहीं कराया गया तो मैं धरने पर बैठूंगी। जब तक आपकी फसल का उचित मुआवजा नहीं मिल जाता। आवाज उठाती रहूंगी।

कुत्ते से डरकर भागी 7 साल की बच्ची की मौत

परिजन बोले- घर पहुंची तब हॉर्टबीट तेज थी, लोगों का चक्काजाम, बाजार कराया बंद

मीडिया ऑडीटर, उज्जैन एजेंसी। उज्जैन में स्ट्रीट डॉग को देखकर डरी 7 साल की छात्रा ने दौड़ लगा दी। घर पहुंची तो उसे उल्टी होने लगी और हॉर्ट बीट बढ़ गई। कुछ ही देर में वह बेहोश हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामला केडी गेट स्थित बोहरा बाखल में शुक्रवार दोपहर का है। परिजनों का आरोप है कि कुत्ते के लपकने के कारण बच्ची डरकर भागी, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत से गुस्साए परिजनों और लोगों ने चक्काजाम कर दिया। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है।

घर के बाहर खेल रही थी बच्ची: फ्रीगंज में व्यापार करने वाले मुस्तफा लोहेवाले की 7 साल की बेटी इंसिया सेंट पाल स्कूल में पहली की छात्रा थी। शुक्रवार को उसका एग्जाम था। वो डेढ़ बजे घर पहुंची। सवा दो बजे वह घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान स्ट्रीट डॉग को देखकर डर गई। बच्ची के फूफा कुदुबुद्दीन अगरबत्तीवाला ने बताया कि घर पहुंचने के बाद बच्ची निढाल हो गई। उसे उल्टी होने लगी। उसे दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया। दोनों ही जगह डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी।

लोगों ने किया चक्काजाम: कुत्ते की दहशत से बच्ची की मौत की खबर के बाद समाज के लोगों ने कमरी मार्ग का बाजार बंद करवा दिया। कांग्रेस विधायक महेश परमार समेत कई लोग उनके समर्थन में आ गए। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

एक महीने में 150 से ज्यादा डॉग बाइट के केस: उज्जैन में हर महीने 150 से ज्यादा डॉग बाइट के केस सामने आए है।

जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन, शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने लिया भाग

मीडिया ऑडीटर, शाजापुर एजेंसी। उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता शुक्रवार को संपन्न हुई। जिसमें जिले के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और जहां विद्यार्थियों ने गायन, वादन, लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य शास्त्री गायन एकल अभिनय मूर्ति निर्माण सहित अन्य विधाओं में गुस्सा पूर्वक उठा भाग लिया और अपने शानदार प्रदर्शन से शुभकामना मन मोह लिया।

जिला स्तरीय लोक कला उत्सव प्रतियोगिता उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य प्रवीण मंडलोई की अध्यक्षता में संपन्न हुई। निर्णायक रूप में सी एम राइस स्कूल दुपाड़ा की प्राचार्य श्रीमती रायना सिद्दीकी, शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय के संगीत शिक्षक राजेंद्र सिंह नामदेव ,सरिता राठौर, विद्या उगाया, संगीता श्रीवास्तव मौजूद रहे।

जिले से आए शिक्षकों की उपस्थिति में प्रतियोगिता संपन्न हुई। अलग-अलग विधाओं के विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का संचालन रेखा पुरोहित ने किया। आभार वरिष्ठ शिक्षिका विजया सक्सेना ने माना ।

पुलिस ने 71.70 ग्राम स्मैक किया बरामद

13 लाख 50 हजार रुपए की कीमत आंकी गई, आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी निप्र। शिवपुरी जिले के करैरा, देहात और फिजिकल थाना पुलिस ने कुल 13 लाख 50 हजार रुपए की 71.70 ग्राम स्मैक के साथ 3 स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया हैं। इनमें दो स्मैक तस्कर राजस्थान के बारां जिले तो वहीं एक तस्कर ग्वालियर जिले का रहने वाला हैं। तीनों शिवपुरी जिले के स्मैक खपाने पहुंचे थे। हालांकि, इससे पहले तीनों थानों की पुलिस अपने अपने क्षेत्र से स्मैक तस्करों को गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया हैं। बता दें कि एसपी अमन सिंह राठौड़ द्वारा पहले से ही स्मैक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश जिले के सभी थानों पर दे चुके हैं।

ग्वालियर से करैरा पंहुचा था स्मैक खपाने: करैरा थाना प्रभारी विनोद छावई ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति भितरवार रोड ग्राम खैराघाट की पुलिया के पास स्मैक बेचने के लिये आया हुआ हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया गया था। यहां एक संदिग्ध को पकड़ा था। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 4 लाख रुपए के कीमत की 20 ग्राम स्मैक बरामद हुई थी। आरोपी ने अपना नाम राघवेन्द्र रावत पुत्र सरमन रावत (27) बताया था। आरोपी ग्वालियर जिले के ग्राम स्याऊ थाना करहिया का रहने वाला हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि राघवेंद्र रावत से स्मैक के बारे में पूछताछ की। उसने बताया कि वह करीब 2 साल से स्मैक बेचने का काम कर रहा हूं। पंजाब ठाकुर निवासी मगरौनी से ढाई से तीन हजार प्रति ग्राम खरीदकर लाता हूं और लोगों को 10 से 12 हजार प्रति ग्राम के हिसाब से बिक्री करता हूं।

आज (शुक्रवार) को भी मैं मगरौनी से पंजाब ठाकुर से स्मैक खरीद कर विक्रय करने के लिए आया था। पुलिस ने इस मामले में पंजाब ठाकुर को भी आरोपी बनाया है। गौरतलब है कि करैरा पुलिस ने आरोपी की ओर से चोरी की हुई 1 बाइक भी बरामद की हैं। पुलिस स्मैक के बारे में आरोपी से पूछताछ करने में जुटी हुई हैं।

नमाज के लिए मस्जिद नहीं जा सकी बांग्लादेश टीम

ग्वालियर में होटल में की इबादत, सुरक्षा कारणों से रद्द किया कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर एजेंसी। ग्वालियर में बांग्लादेश की क्रिकेट टीम और स्टॉफ जुमे की नमाज के लिए मस्जिद नहीं पहुंच सका। सुरक्षा कारणों के चलते ये कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। जिसके बाद होटल में ही नमाज अदा कराई गई।

दरअसल, बांग्लादेशी खिलाड़ियों और स्टाफ ने शुक्रवार को जुमा की नमाज अदा करने के लिए कहा था। जिसके बाद दोपहर करीब डेढ़ बजे टीम को ग्वालियर के फूलबाग स्थित मोती मस्जिद ले जाने का प्लान था, लेकिन सुरक्षा कारणों से आखिरी समय पर ये कार्यक्रम रद्द हो गया। बताया जा रहा है कि इसके बाद शहर काजी ने होटल में ही बांग्लादेश की टीम को नमाज अदा कराई।

बता दें कि 6 अक्टूबर को ग्वालियर के माधवराव सिंधिया स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच टी-20 मैच खेला जाना है। इसके लिए दोनों टीमें ग्वालियर पहुंच चुकी हैं। शुक्रवार को शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक बांग्लादेश की टीम का प्रैक्टिस सेशन है।

हिंदू संगठन कर रहे बांग्लादेश से मैच का विरोध

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रह रहे हिंदुओं पर अत्याचार और हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की खबरें आ रही हैं। जिसे लेकर भारत में लोगों में आक्रोश है। ग्वालियर में भी हिंदू संगठन नाराज है। इसलिए हिंदू संगठन मैच का विरोध कर रहे हैं। जिसके बाद बांग्लादेश की टीम को कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। मैच में चार हजार जवान और अफसरों को तैनात किया जाएगा।

एक ही दिन मैदान पर उतरेंगी भारत की महिला और पुरुष क्रिकेट टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ?बार फिर से जमकर क्रिकेट हो रहा है। भारत की पुरुष ?क्रिकेट टीम जहां एक ओर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में बांग्लादेश से टी20 सीरीज खेलने की तैयारी में है, वहीं भारत की महिला क्रिकेट टीम तो टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैदान में उतर भी चुकी है। खास बात ये है कि भारत की महिला और पुरुष क्रिकेट टीमें एक ही दिन अलग अलग जगह विरोधी टीम से मोर्चा लेती हुई नजर आएंगी। ऐसे में जरूरी है कि आपको मैच का टाइम पता हो, नहीं तो हो सकता है कि आपसे मैच मिस हो जाए। साथ ही ये मैच अलग अलग चैनल और मोबाइल एप पर आएंगे, ये भी आपके लिए जानना जरूरी है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 6 अक्टूबर को: भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस वक्त टी20 विश्व कप के लिए दुबई में है। उसका पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से है। इसके बाद दूसरा मुकाबला सबसे बड़ा होगा। भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने सामने होने जा रही हैं। ये मैच 6 अक्टूबर को दुबई में ही खेला जाएगा। मजे की बात ये है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के टी20 विश्व कप में अपने सभी मैच भारतीय समय अनुसार शाम को सात बजे से खेल रही है, लेकिन केवल एक ही मैच है, जो दिन में तीन बजे से होगा। ये मैच कोई और नहीं, बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला ही है।

भारत की पुरुष टीम भी बांग्लादेश से पहले मैच 6 अक्टूबर को ही खेलेगी: दरअसल भारत की मेंस क्रिकेट टीम भी बांग्लादेश के ?खिलाफ सीरीज खेलने के लिए तैयार है। सीरीज का पहला मैच 6 अक्टूबर को ग्वालियर में खेला जाना है। ये मैच भारतीय समय अनुसार शाम को सात बजे से है। वैसे तो इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि महिला क्रिकेट टीम का एक मैच दिन में तीन बजे से क्यों है, लेकिन माना जा रहा है कि भारत की पुरुष टीम सात बजे खेलेगी, ऐसे में महिला और पुरुष टीम के मैच आपस में टकरा न जाएं, यानी एक ही वक्त में ना हों, इसलिए ये किया गया होगा।

अलग अलग चैनल पर देखने के लिए मिलेंगे दोनों मुकाबले : टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हरमनप्रीत की कप्तानी में जब महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ तीन बजे से मैच खेलना शुरू करेगी, तो ये मैच शाम को सात बजे तक समाप्त हो चुका होगा। इसके बाद सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली पुरुष टीम का मैच होगा। हालांकि ध्यान ये भी रखिएगा कि दोनों मैच अलग अलग नेटवर्क पर आएंगे। टी20 महिला विश्व कप के मैच स्टार स्पोर्ट्स और हॉट स्टार पर देखने के लिए मिलेंगे, वहीं भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज के मैच स्पोर्ट्स 18 और जियो सिनेमा पर देख सकते हैं। यानी ?उस दिन दोपहर तीन बजे से लेकर रात में करीब साढ़े 11 बजे तक भारतीय टीमें मैदान में होंगी। इसका मतलब है कि क्रिकेट की डबल डोज आपको मिलेगी।

वर्ल्ड कप में विमेंस टीम इंडिया का सफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस क्रिकेट का 9वां टी-20 वर्ल्ड कप गुरुवार से शुरू हो चुका है। 10 टीमों के टूर्नामेंट में टीम इंडिया आज से अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी। भारत का मुकाबला शाम 7:30 बजे से न्यूजीलैंड से होगा। एशियन क्रिकेट की सबसे सफल टीम इंडिया के नाम वर्ल्ड कप में एक भी खिताब नहीं है।

भारत ने अब तक 18 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है, इनमें 10 वनडे वर्ल्ड कप और 8 टी-20 वर्ल्ड कप शामिल हैं। टीम 9 बार नॉकआउट स्टेज में भी पहुंची, लेकिन कभी अनुभव की कमी तो कभी बड़े मैच का प्रेशर भारत के आड़े आ गया। टीम को 6 बार सेमीफाइनल और 3 बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। टी-20 वर्ल्ड कप में तो भारत एक भी नॉकआउट मैच नहीं जीत सका है। स्टोरी में 10 पॉइंट्स में समझेंगे विमेंस क्रिकेट में भारत का अब तक का सफर कैसा रहा है

विमेंस क्रिकेट में वर्ल्ड कप की शुरुआत 1973 से ही हो गई, इंग्लैंड में ङ्घृष्ट ने वनडे टूर्नामेंट कराया। तब भारत में विमेंस क्रिकेट बोर्ड नहीं होने के कारण देश ने वर्ल्ड कप में अपनी टीम नहीं भेजी। वर्ल्ड कप के बाद देश में विमेंस क्रिकेट एसोसिएशन (ङ्घृष्टङ्घ) बना, जिसके बाद टीम ने 1976 में टेस्ट के रूप में पहला इंटरनेशनल मैच खेला।

1978 में भारत ने सीधे वर्ल्ड कप में ही इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला वनडे मैच खेला। टूर्नामेंट भारत में हुआ, लेकिन इंडिया विमेंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। 4 टीमों के टूर्नामेंट में टीम तीनों मैच हारकर चौथे नंबर पर रही। 1982 में टीम ने 4 मैच जीते जरूर, लेकिन 8 हार के कारण इस बार 5 टीमों के टूर्नामेंट में चौथा स्थान मिला। 1988 में बोर्ड के आपसी विवाद के कारण टीम ने हिस्सा नहीं लिया।

1993 में टीम इंडिया ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया और 8 टीमों में चौथा स्थान हासिल किया। 1997 का वर्ल्ड कप भारत में ही हुआ। प्रमिला भट्ट की कप्तानी में टीम इंडिया ने क्वार्टर फाइनल जीता और सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ गया।

1999 में मिताली राज ने महज 16 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू कर लिया, 3 साल बाद तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने भी डेब्यू किया। दोनों ने अगले 20 साल में इंडियन क्रिकेट को पूरी तरह बदलने का जिम्मा उठा लिया। 2000 के वर्ल्ड कप में भारत फिर सेमीफाइनल में पहुंचा, लेकिन इस बार चैंपियन न्यूजीलैंड से हार गया।

2005 में फिर इंडिया विमेंस ने कमबैक किया और उसी न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल हराकर फाइनल में जगह बना ली। टीम को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ गया, लेकिन यहां से इंडियन विमेंस क्रिकेट में बदलाव की नींव पड़ गई।

2009 के वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के बाद सुपर-6 स्टेज भी हुआ। टीम इंडिया ने सुपर-6 में ऑस्ट्रेलिया को हराकर तीसरे नंबर पर फिनिश किया। तब टॉप-2 टीमों के बीच फाइनल हुआ था। 2013 और 2022 में टीम नॉकआउट स्टेज में जगह नहीं बना सकी।

2017 के दौरान इंग्लैंड में हुआ टूर्नामेंट भारत का बेस्ट वनडे वर्ल्ड कप रहा। टीम ने ग्रुप स्टेज में 5 मैच जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जहां ऑस्ट्रेलिया से सामना हुआ, यहां हरमनप्रीत कौर ने 115 बॉल पर 171 रन की पारी खेली और भारत को 36 रन से जीत दिलाई।

टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में भी मजबूत सिचुएशन में थी। 229 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत का स्कोर एक समय 42 ओवर में 191/3 था। 48 बॉल पर 38 रन ही चाहिए थे, लेकिन यहां वर्ल्ड कप फाइनल के दबाव ने भारत से जीत छीन ली। टीम ने 28 रन बनाने में ही अपने बचे हुए 7 विकेट गंवाए और वर्ल्ड कप जीतने का सुनहरा मौका महज 9 रन के अंतर से गंवा दिया। इस हार का दर्द उसी साल मेंस टीम को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पाकिस्तान से मिली हार से भी बड़ा रहा।

विमेंस क्रिकेट में 2009 से टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत भी हो गई। भारत ने शुरुआती 2 इवेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ गया। 2012, 2014 और 2016 में टीम नॉकआउट स्टेज खेलने के लिए तरस गई।

2017 के वनडे वर्ल्ड कप में ट्रॉफी के करीब पहुंचने से देश में युवा जनरेशन क्रिकेट खेलने के लिए इंस्पायर हुई। जिससे टीम में जेमिमा रोड्रिग्ज और शेफाली वर्मा जैसी प्लेयर्स की एंट्री हुई। हरमनप्रीत और स्मृति मंधाना 2017 में ही खुद को साबित कर चुकी थीं। इसलिए 2018 के टी-20 वर्ल्ड कप में हरमन को कप्तान भी बना दिया गया।

हरमन की कप्तानी में इंडिया विमेंस 8 साल बाद फिर टी-20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट में पहुंची, लेकिन इंग्लैंड से सेमीफाइनल हार गई। टीम फिर 2020 में एक स्टेज आगे पहुंची और फाइनल में जगह बनाई, लेकिन इस बार ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। यह टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का पहला ही फाइनल था।

2023 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का सामना सेमीफाइनल में ही ऑस्ट्रेलिया से हो गया। 173 रन के टारगेट के सामने टीम ने एक समय 4 विकेट खोकर 133 रन बना लिए। यहां 33 बॉल पर 40 ही रन चाहिए थे, हरमनप्रीत सेट हो चुकी थीं। अगली बॉल पर उन्होंने 2 रन लेने की कोशिश की, लेकिन क्रीज में पहुंचने से पहले उनका बैट अटक गया और वह रनआउट हो गईं। खराब फिनिशिंग के कारण भारत 5 रन के अंतर से वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने से चूक गया।

टीम इंडिया ने 1978 से 2023 तक वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप में 18 बार हिस्सा लिया। टीम 9 बार नॉकआउट स्टेज में पहुंची, इनमें 6 बार सेमीफाइनल और 3 बार फाइनल में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 मुकाबले हराए, वहीं न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 बार हार मिली। टीम ने अब तक 3 ही नॉकआउट मैच जीते, जिनमें साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया को 1-1 बार हराया।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीतने का सपना छीन लिया था। कॉमनवेल्थ गेम्स में पहली बार विमेंस क्रिकेट को शामिल किया गया। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 4 रन से हराया और फाइनल में जगह बनाई। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने फिर एक बार परेशानी खड़ी की और भारत को 9 रन से हराकर ग्लोबल टूर्नामेंट में चैंपियन बनने से दूर कर दिया।

2017 से इंडिया विमेंस टीम ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के साथ टॉप-3 टीमों में शामिल हो गई। यह 40 सालों में पहली बार ही हुआ। भारत ने तब से 7 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और 6 के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई। हालांकि, टूर्नामेंट प्रेशर के कारण टीम को 5 में हार का सामना करना पड़ गया, जिनमें 3 बड़े फाइनल शामिल रहे। टीम ने 2 मुकाबले जीते भी, लेकिन दोनों सेमीफाइनल रहे।

वर्ल्ड कप और ग्लोबल टूर्नामेंट में इंडिया विमेंस को अब तक सफलता नहीं मिल सकी है, लेकिन एशियन लेवल पर भारत के पास बेस्ट टीम है। अब तक हुए 4 वनडे एशिया कप में भारत ने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया और टीम हर बार चैंपियन बनी।

अफगानी स्पिनर राशिद खान ने शादी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने शादी कर ली है। 26 साल के राशिद और उनके 3 भाई जकीउल्लाह, नुमान और नसीम खान ने निकाह कबूल किया। शुक्रवार को सोशल मीडिया में राशिद की शादी की फोटो और वीडियो अपलोड हुई। हालांकि, इनमें राशिद की पत्नी की तस्वीर नहीं हैं। काबुल के इंपीरियल कॉन्टिनेंटल होटल में आयोजित शादी समारोह में मोहम्मद नबी के साथ कई अफगानिस्तानी क्रिकेटर शामिल हुए। इनमें अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, रहमत शाह और मुजीब उर रहमान शामिल रहे। राशिद कुछ महीने पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि अफगानिस्तान के लिए वर्ल्ड कप जीतने के बाद ही शादी करेंगे, लेकिन अब सभी को चौंकाते हुए उन्होंने शादी कर ली। राशिद खान ने पिछले हफ्ते 20 सितंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में 19 रन देकर 5 विकेट झटके थे। अफगानिस्तान ने 3 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीता था।

विराट कोहली ने जमकर की प्रैक्टिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ भारत 27 सितंबर को कानपुर में दूसरा टेस्ट खेलने उतरेगा। इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को चेन्नई टेस्ट में मातदेकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। लेकिन पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली कुछ कमाल नहीं दिखा पाए, उन्होंने पहली पारी में 6 तो दूसरी पारी में 17 रन ही बनाए। इसके बाद वह कानपुर टेस्ट के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। दूसरे टेस्ट की तैयारी में जुटे कोहली को जसप्रीत बुमराह ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बेहद परेशान किया। नेट्स में बुमराह ने कोहली को 15 गेंदों में 4 बार आउट किया। विराट कोहली स्पिनरों के खिलाफ अच्छी लय में नहीं दिखे। चेन्नई टेस्ट मैच में वे पहली पारी में पेसर और दूसरी पारी में स्पिनर की गेंद पर आउट हुए थे। अब उनसे उम्मीद है कि दूसरे मैच में बड़ा स्कोर बनाएंगे, लेकिन प्रैक्टिस सेशन में ऐसा नहीं दिखा। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, कोहली नेट्स में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ 15 गेंदों में 4 बार आउट हुए। बुमराह की चौथी गेंद उनके पैड पर लगी और बुमराह ने चिल्लाते हुए कहा कि, सामने लगा है।

अभिमन्यु ईश्वरन ने किया बड़ा कारनामा, डबल सेंचुरी से चूके फिर भी ठोकी दावेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिमन्यु ईश्वरन। आपने ये नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा नहीं सुना होगा। लेकिन अगर उनके आंकड़े निकालकर देखेंगे तो पता चलेगा कि ये खिलाड़ी कौन है। इस वक्त ईरानी कप में वे अपना जलवा एक बार फिर से दिखा रहे हैं। ये बात और है कि वे मुंबई के खिलाफ अपना दोहरा शतक पूरा करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने अपना काम कर दिया। अब बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी को उनके बारे में सोचना होगा। अगर वे जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते हुए नजर आएं तो चौंकिएगा नहीं।

ईरानी कप में शेष भारत के लिए अभिमन्यु ने संभाला मोर्चा : ईरानी कप में जब मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 500 से ज्यादा स्कोर बना दिया और सरफराज खान ने डबल सेंचुरी लगाई तो लगा कि अब शेष भारत के लिए ये मैच बचा पाना मुश्किल होगा।

इसके बाद जब कप्तान रुतुराज गायकवाड और ईशान किशन जल्द आउट हो गए तो टीम पर संकट और भी गहरा गया। लेकिन तभी खड़े हुए अभिमन्यु ईश्वरन। उन्होंने मैच के तीसरे दिन पूरे दिन बल्लेबाजी की और इसके बाद चौथे दिन भी क्रीज पर टिके रहे।

अभिमन्यु ने खेली 191 रनों की दमदार पारी : जब लगने लगा कि अब वे अपनी डबल सेंचुरी पूरी कर लेंगे, तभी आउट हो गए। अभिमन्यु ईश्वरन ने अपनी पारी के दौरान 292 बॉल का सामना किया और 191 रनों की दमदार पारी खेली। उनके बल्ले से इस दौरान 16 चौके और एक आसमानी छक्का भी आया। लेकिन इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि वे नौ और रन नहीं बना सके। हालांकि इससे पहले वे प्रथम श्रेणी ?क्रिकेट में दोहरा शतक ठोक चुके हैं, लेकिन अगर इस मैच में भी वे ये कमाल करते तो इससे बेहतर और क्या हो सकता था।

अभिमन्यु के प्रथम श्रेणी में शानदार आंकड़े : अभिमन्यु ईश्वरन के प्रथम श्रेणी आंकड़े लाजवाब हैं। उन्होंने अब तक 97 मैच खेलकर सात हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उनका औसत 48.44 का है। उन्होंने अब तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 25 शतक और 29 अर्धशतक लगाए हैं। इतने शानदार आंकड़ों के बाद भी वे अब तक भारत के लिए टेस्ट मैच नहीं खेल पाए हैं, इसका कारण शायद ये भी हो सकता है कि वे ज्यादा लाइमलाइट में नहीं रहते हैं। इस बड़े शतक से ये भी लगने लगा है कि इस साल के आखिर में जब टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी तो वे तीसरे ओपनर हो सकते हैं।

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम इस वक्त पाकिस्तान के दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस सीरीज का पहला मुकाबला 7 अक्टूबर को खेला जाना है। इस मुकाबले पहले इंग्लैंड की टीम और उनके फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। इंग्लैंड का एक स्टार खिलाड़ी अभी भी पूरी तरह से फिट नजर नहीं आ रहा है और यह प्लेयर सीरीज के पहले मुकाबले से बाहर हो सकता है। यह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स हैं। बेन स्टोक्स इंजरी के कारण इस सीरीज के पहले मुकाबले को मिस कर सकते हैं। जोकि उनके लिए एक बड़ा नुकसान हो सकता है।

इंग्लैंड को होगा नुकसान: इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ी का बाहर होना एक बड़ा नुकसान हो सकता है। इंग्लैंड के जैक क्रॉली ने खुद को फिट घोषित कर दिया है, लेकिन स्टोक्स को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है। बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को मुल्तान में प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने सिर्फ आधे घंटे तक बल्लेबाजी की और कुछ समय के लिए शॉट रन-अप पर गेंदबाजी भी की, लेकिन शनिवार को जब इंग्लैंड अपनी प्लेइंग 11 का ऐलान करेगा तो उसमें स्टोक्स का नाम शामिल होना काफी मुश्किल है।

श्रीलंका के खिलाफ मिस की थी सीरीज: बेन स्टोक्स को श्रीलंका के खिलाफ खेली गई सीरीज में भी बाहर बैठना पड़ा था। उस दौरान टीम की कप्तानी ओली पोप ने संभाली थी। इस सीरीज में भी कुछ ऐसा ही होने की उम्मीद है। स्टोक्स अगस्त के महीने में द हंड्रेड के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोटिल हो गए थे। स्टोक्स की बाई हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। स्टोक्स ने अपने रिहैब पर काफी ज्यादा मेहनत की है। उन्होंने हाल ही में क्रिकइन्फो को कहा था कि वह कुछ और बुरा करने और फिर खुद को लंबे समय तक खेल से बाहर रखने के जोखिम को उठाने के बजाय अतिरिक्त दो सप्ताह लेना पसंद करेंगे। ऐसे में स्टोक्स कोई भी जोखिम न उठाते हुए पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच से बाहर रह सकते हैं।

प्रदेशाध्यक्ष के समर्थन में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, कांग्रेसियों ने फूंका सीएम का पुतला, पुलिस के साथ हुई झूमा झटकी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष के समर्थन में युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सतना में प्रदर्शन कर सीएम का पुतला फूंका। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने पुतला छीनने की भी कोशिश की लेकिन झूमा झटकी कर युकांई भाग निकले।युवक कांग्रेस सतना के कार्यकर्ताओं ने युकां नेता मशहूद अहमद शेरू के नेतृत्व में शुक्रवार को सतना में प्रदर्शन किया।

संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के समीप धवारी चौराहे पर युकांईयो ने नारेबाजी करते हुए सीएम का पुतला फूंका। धवारी चौराहे पर पहुंचने के पहले ही पुलिस ने युकांईयो से पुतला छीनने की कोशिश की लेकिन प्रदर्शनकारियों ने निर्धारित स्थान पर पहुंचने के पहले ही पुतले को आग लगा दी और जलता पुतला लेकर दौड़ते हुए चौराहे तक जा पहुंचे। हालांकि, जलते पुतले को डंडे से पीटने के पहले पुलिस ने डंडा छीन लिया। युकां नेता शेरू ने बताया कि लाडली बहना के समर्थन में बयान देने पर युकां प्रदेशाध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। युवक कांग्रेस में सरकार के इस दमनकारी कदम को लेकर आक्रोश है और पूरे युवा अपने अध्यक्ष के साथ उनके समर्थन में खड़े हैं। युकां नेता ने कहा- लाडली बहनों को न्याय दिलाने के लिए सड़क पर उतर कर हर लड़ाई लड़ती रहेगी।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने शुक्रवार को नवरात्रि मेले एवं 5 अक्टूबर को गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर निरीक्षण किया।

इस दौरान कलेक्टर ने मैहर घंटाघर चौराहे, स्टेडियम एवं स्टेडियम मार्ग का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था करने के निर्देश दिये। इस दौरान स्टेडियम में उपस्थित छात्रा-छात्राओं ने तालियां बजाकर कलेक्टर रानी बाटड एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल का स्वागत किया।

इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एएसपी मुकेश वैश्य, एसडीएम विकास सिंह, सीएसपी राजीव पाठक, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, सीएमओ लालजी ताम्रकार, थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जूते पहनकर मन्दिर में घूमना एसआई को महंगा पड़ा, 5 हजार रुपए जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर के विश्व प्रसिद्ध देवी शारदा मंदिर में नवरात्रि मेले के दौरान जूते पहन कर टहलना एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को महंगा पड़ गया है। मैहर एसपी ने इस पर न केवल पुलिस अफसर की खबर ले ली है बल्कि उसे दंडित भी कर दिया है। मैहर एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल ने नादन देहात थाना में पदस्थ सब इंस्पेक्टर एनपी पांडेय पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। एसपी ने सब इंस्पेक्टर की क्लास भी ली है।

दरअसल, सब इंस्पेक्टर एनपी पांडेय की ड्यूटी मैहर शारदीय नवरात्रि पर चल रहे मेले में लगाई गई है। उन्हें देवी शारदा के मंदिर में तैनात किया गया है। सब इंस्पेक्टर वहां ड्यूटी के दौरान मंदिर परिसर में जूते पहन कर घूमते नजर आए। उनकी चहल कदमी को किसी ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो एसपी के संज्ञान में आया तो उन्होंने पुलिस कर्मी की पहचान कराई और उसे फटकार लगाते हुए अर्थदंड से दंडित कर दिया। एसपी ने सब इंस्पेक्टर के इस आचरण को धार्मिक परंपरा के प्रतिकूल और अनुशासनहीनता करार देते हुए यह एक्शन लिया।

गौरतलब है कि मंदिर परिसर में किसी को भी जूते पहन कर जाने की इजाजत नहीं है। श्रद्धालु और तमाम वीआईपी भी नीचे ही अपने जूते-चप्पल उतार कर त्रिकूट पर्वत पर माता शारदा के दरबार मे जाते हैं। मेला ड्यूटी के पूर्व ब्रीफिंग में पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को भी इस संबंध में निर्देश दिए जाते हैं। बावजूद इसके सब इंस्पेक्टर एनपी पांडेय ऊपरी मंदिर प्रांगण में जूते पहनकर घूमते रहे।

माता के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, अब तक डेढ़ लाख से ज्यादा भक्तों ने मां शारदा के किये दर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर के त्रिकूट पर्वत विराजीं माता शारदा के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। क्वार नवरात्रि पर जगद्जननी मातेश्वरी के दर्शन के लिए देश भर से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। अब तक डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु माता की चौखट पर मत्था टेक चुके हैं।

नवरात्रि के पहले दिन जहां 1 लाख 3 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मातारानी के दर्शन कर आशीर्वाद की कामना की वहीं दूसरे दिन भी तड़के 3 बजे से सुबह 8 बजे तक सिर्फ 5 घंटों में 57 हजार से अधिक भक्त माता शारदा के चरणों मे शीश नवा चुके हैं। मेला कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार दूसरे दिन शुक्रवार को तड़के 03 बजे से सुबह 8 बजे तक

सीढ़ी मार्ग से 54 हजार 974, वैन से 330 और रोपवे से 1942 दर्शनार्थियों समेत कुल 57 हजार 246 से अधिक भक्तों ने माता रानी के दर्शन प्राप्त किए। अनुमान लगाया जा रहा है कि शारदीय नवरात्रि के 9 दिनों में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु माता शारदा के दर्शन करने पहुंचेंगे।

प्रशासन-पुलिस ने किए हैं व्यापक इंतजाम: मैहर में 9 दिनों तक चलने वाले शारदीय नवरात्रि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा - सुरक्षा के लिए मैहर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मेला क्षेत्र में 12 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात हैं जबकि 2 एडिशनल एसपी, 4 डीएसपी, 12 टीआई समेत साढ़े 6 सौ पुलिस कर्मी और वॉलेंटियर्स की ड्यूटी लगाई गई है। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ,एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल, एडीएम शैलेन्द्र सिंह, एएसपी मुकेश वैश्य, एसडीएम विकास सिंह और सीएसपी राजीव पाठक लगातार व्यवस्था और स्थितियों की निगरानी कर रहे हैं। दो ड्रोन कैमरों की मदद से पूरे मेला क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है जबकि निगहबानी के लिए 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

सांसद, विधायक ई-रिक्शा से गए दर्शन करने: प्रशासन ने इस बार भी जहां वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर पाबंदी लगा रखी है वहीं बंधा बैरियर के आगे वाहनों की आवाजाही भी प्रतिबंधित कर दी गई है। वाहनों की पार्किंग का प्रबंध किया गया है। किसी के भी वाहन को उससे आगे जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। पहले दिन गुरुवार को सतना सांसद गणेश सिंह, मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने ने भी अपने वाहन छोड़कर ई रिक्शा पर सफर किया और मातारानी के दर्शन करने पहुंचे। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ,एसडीएम विकास सिंह एवं तहसीलदार जितेंद्र पटेल ने भी मेला क्षेत्र का निरीक्षण ई रिक्शा पर बैठ कर ही किया।

कौशल प्रदर्शनी का आयोजन 8 को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्टार्स प्रोजेक्ट अंतर्गत कौशल प्रदर्शनी का आयोजन 8 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में आयोजित किया जायेगा।

कौशल प्रदर्शनी में जिला अंतर्गत नवीन व्यवसायिक शिक्षा द्वारा संचालित 63 विद्यालयों के माडल, चार्ट, लघु नाटिकायें आदि शामिल होंगे।

नि :शुल्क कैंसर शिविर का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नेशनल हास्पीटल रीवा के तत्वाधान में सुप्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थित में 5 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे टाउनहाल सतना में निःशुल्क कैंसर शिविर का आयोजन किया जायेगा।

उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने सतना और मैहर जिले की सभी जनपद पंचायतों, नगर पालिक निगम के समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी तथा कार्यालयीन अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि मैदानी अमलों के द्वारा जनपद पंचायतों/निकायों के पंजीकृत दिव्यांगजनों तथा आमजनों को कैंसर बीमारी से सजग रहने के लिए शिविर में उपस्थित कराना सुनिश्चित करेंगे।

आज मैहर जिले का गौरव दिवस का आयोजन

विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर नवगठित जिले की वर्षगांठ 5 अक्टूबर को गौरव दिवस के रूप में मनाया जायेगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। इस दौरान गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाएंगे। गौरव दिवस के कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 6 बजे चुनर यात्रा घंटाघर से मां शारदा देवी मंदिर तक निकाली जायेगी।

इसके तत्पश्चात प्रातः 8 बजे 11 हजार छात्र-छात्राओं के द्वारा एक साथ राष्ट्रगान का गायन किया जायेगा।

प्रातः 9.30 बजे स्पोर्टस, लाइट गेम, फूड फेस्टिवल, रस्साकसी, सामान्य ज्ञान, फैंसी ड्रेस, मेंहदी, रंगोली, सलाद एवं फ्लावर डेकोरेशन एवं अटाला आर्ट, शाम 5 बजे शास्त्रीय संगीत, नृत्य, वाद्य वादन एवं लेजर लाइट शो का आयोजन मैहर बाबा अलाउद्दीन खां स्टेडियम के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने मैहर जिले के नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

हत्या के आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार,जमीन विवाद में पत्नी और बेटे के साथ मिलकर घटना को दिया था अंजाम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिंहपुर थाना क्षेत्र के धनखेर कला के पास रिटायर्ड बैंक कर्मी की हत्या के मामले में पुलिस ने पिता पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है जबकि महिला अभी गिरफ्त के बाहर है। जानकारी के मुताबिक, शहर के प्रभात विहार कॉलोनी में रहने वाले रिटायर्ड बैंक कर्मी राम कल्याण सिंह की हत्या करने के आरोप में पुलिस से रिटायर्ड CRPF कर्मी सुखेन्द्र सिंह (61) और उसके पुत्र अभिलाष सिंह (33) निवासी धनखेर को गिरफ्तार कर लिया है।

सुखेन्द्र की पत्नी प्रभा सिंह (60) अभी फरार है। मृतक रामकल्याण सिंह एयर फोर्स से इस्तीफा देने के बाद स्टेट बैंक में काम करने लगा था। वहां से रिटायरमेंट के बाद वह रैगांव रोड पर शिवपुर में जमीन लेकर खेती करने लगा था और वहीं अहरी बना कर अक्सर रहता भी था। पिछले 27 सितंबर को राम कल्याण को धनखेर मोड़ के पास घायल हालत में पड़ा देख कर एक ग्रामीण ने उसके बेटे को सूचना दी थी। राम कल्याण को बिरला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां 28 सितंबर को तड़के उसकी मौत हो गई थी।

जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के दौरान मृतक के बेटे ने पुलिस को बताया था कि CRPF के रिटायर्ड कर्मचारी सुखेन्द्र सिंह का खेत उसके बगल में है। अक्सर सुखेन्द्र उसके पिता से विवाद करता रहता था। सुखेन्द्र ने ही अपनी पत्नी प्रभा और बेटे अभिलाष के साथ मिलकर उसके पिता के साथ बुरी तरह मारपीट की है। उन्होंने प्राइवेट पार्ट पर भी मारा। इसी वजह से उसके पिता की मौत हो गई।

शव के पोस्टमॉर्टम में भी स्पष्ट हुआ कि राम कल्याण की मौत की वजह शरीर मे आई चोट थी। पुलिस ने पीएम रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों और मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर मुकदमा दर्ज किया और पिता - पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। फरार महिला की तलाश भी की जा रही है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत द्वारका, अयोध्या, रामेश्वरम यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा "मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना" के तहत जिले के लिए द्वारका यात्रा 21 से 26 नवंबर तक की यात्रा हेतु आवेदन पत्र 11 नवंबर तक प्राप्त किये जायेंगे। इसी प्रकार वाराणसी (काशी) अयोध्या यात्रा 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक हेतु आवेदन पत्र 19 नवंबर तक तथा रामेश्वरम यात्रा 15 से 20 दिसंबर तक यात्रा हेतु आवेदन पत्र 5 दिसंबर तक कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जायेंगे। तीर्थ दर्शन यात्रा पर जाने के इच्छुक जिले के बुजुर्गों द्वारा आवेदन पत्र निकटतम तहसील, स्थानीय निकाय, जनपद कार्यालय में आवेदन पत्र निर्धारित दिनांक को कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने बताया कि इस यात्रा के लिए आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी एवं 60 वर्ष की आयु पूर्ण होना आवश्यक है। जो यात्री अपने साथ जीवनसाथी (पति/पत्नि) को लेकर जाना चाहता है उन्हें जीवनसाथी का फार्म भी पृथक से निर्धारित प्रपत्र में भरना आवश्यक हैं। यात्रा में 65 वर्ष से अधिक आयु के अकेला यात्री अपने साथ एक सहायक ले जा सकते हैं। सहायक के रूप में परिवार के निकटतम रिश्तेदार को ही पात्रता होगी, जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम होनी चाहिये। सहायक का आवेदन भी साथ में पूर्णतः भरना आवश्यक हैं।

धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु पंजीयन अब 14 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन करने के लिए पंजीयन की अवधि 4 अक्टूबर तक निर्धारित थी। जिसे बढाकर अब 14 अक्टूबर 2024 कर दी गई है। खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु किसान अपना पंजीयन 14 अक्टूबर 2024 तक करा सकते हैं।

4 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत आपदा पीड़ित व्यक्ति के परिजन को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी रघुराजनगर (नगरीय) द्वारा रघुराजनगर तहसील के ग्राम मोहन्ना निवासी लवकुश मल्लाह को पुत्र की मृत्यु सर्पदंश से होने पर 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

रीवा जिले का चौतरफा विकास हमारी प्राथमिकता-उप मुख्यमंत्री

4 करोड़ रूपए की लागत के पुल का किया भूमि-पूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा जिले का चौतरफा विकास हमारी प्राथमिकता है। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण के साथ ही रेलमार्ग तथा हवाईमार्ग से रीवा जिले को अन्य शहरों से जोड़ने के कार्य किये जा रहे हैं। रीवा-ब्यौहारी मार्ग में नहर में इस पुल के बनने से सड़क का घुमाव समाप्त हो जाएगा तथा होने वाली दुर्घटना की संभावनाएं भी पूरी तरह खत्म हो जाएंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 4 करोड़ रुपए की लागत से अमिलकी में नहर पर बनने वाले लघु पुल का भूमि-पूजन किया तथा शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। रीवा से शहडोल मार्ग के विकास कार्य में पुल का निर्माण शामिल नहीं था। इसकी अतिरिक्त स्वीकृति देकर कार्य प्रारंभ कराया गया है, जो दिसंबर माह तक पूरा किया जायेगा। ग्रामवासियों ने समवेत स्वर में पुल के निर्माण की जरूरत बताई तथा उप मुख्यमंत्री शुक्ल को इस कार्य के लिए साधुवाद दिया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रीवा-शहडोल मार्ग की छुहिया घाटी में सड़क मार्ग में सुरंग बनाने का डीपीआर तैयार किया जा रहा है। शीघ्र ही केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से स्वीकृति के लिए अनुरोध करेंगे। विधायक गुढ़ नागेंद्र सिंह ने कहा कि रीवा का कायाकल्प उप मुख्यमंत्री शुक्ल के मार्गदर्शन में हो रहा है। गत दिवस रीवा को अटल पार्क के तौर पर बड़ी सौगात मिली है, जिससे रीवा वासियों का महानगर की तर्ज पर बड़े पार्क का सपना साकार हुआ है। स्थानीय जन-प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कन्या धवारी विद्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शहर को स्वच्छ,सुंदर,कचरा मुक्त,स्वस्थ शहर बनाने एवं चार आर- रिड्यूस ,रीयूज, रीसाइकिल, फयूज की अवधारणा के साथ, होमकंपोस्टिंग , पर्यावरण संरक्षण" ,"मतदाता जागरूकता", "स्वच्छता जागरूकता" , "नशा मुक्ति" ,"अपराध मुक्त समाज", "भ्रष्टाचार मुक्त समाज", की परिकल्पना के साथ स्वच्छता द्वारा बेहतर शहरी स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के दृष्टिगत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धवारी सतना में जागरूकता कार्यक्रम इं.धर्मेंद्र सिंह परिहार नगर पालिक निगम सतना के नेतृत्व में आयोजित हुआ! सभी से सतना को स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान दिलाने में अपनी अपनी सहभागिता निभाने का अनुरोध किया गया! सभी से स्वभाव में स्वच्छता,संस्कार में स्वच्छता लाने का प्रयास करने का अनुरोध किया गया तथा कचड़ा चार भागों में गीला,सूखा,सेनेटरी तथा घरेलू हानिकारक अलग-अलग -निर्धारित हरी डस्टबिन व नीली डस्टबिन में गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक कचड़ा कलेक्शन (मांगने वाली) गाड़ी को देने का अनुरोध किया गया। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी से आगामी भविष्य के सभी चुनावों के स्वतंत्र , निष्पक्ष, समावेशी , प्रलोभन रहित सुगम, सहभागी,सुरक्षित होने का प्रयास सर्वजन द्वारा हो ; साथ ही सभी उपस्थित मतदाताओं से निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार के प्रयोग का अनुरोध किया गया!

सभी से सिंगल यूज़ पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने का अनुरोध किया गया तथा नगर पालिक निगम सतना द्वारा स्थापित बर्तन बैंक तथा अन्य स्थापित बर्तन बैंकों का लाभ लेने का अनुरोध किया गया साथ ही और अधिक संख्या में बर्तन बैंकों की स्थापना का प्रयास करने का अनुरोध किया गया,साथ ही पुरानी सामग्री के अन्य लोगों द्वारा पुनः उपयोग का प्रयास करने का अनुरोध किया गया जिसके अंतर्गत सभी से नेकी का कोना या नेकी की दीवार बनाने का अनुरोध किया गया जहां स्वेच्छा से लोग अपनी अच्छी हालत की पुरानी सामग्री,अन्य लोगों के उपयोग हेतु रख सकें- ताकि अन्य लोग उसका उपयोग कर सकें!

माकपा ने पनवार थाना का किया घेराव

मीडिया ऑडीटर, डभौरा/रीवा निप्र। विगत कई वर्षो से वन एवं राजस्व की भूमियों पर झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे दलित आदिवासियों की वस्ती पर डभौरा रेंज के वनकर्मियों द्वारा की गई मारपीट व झोपड़ियो को नष्ट करने तथा गरीबों का सामान बाहर फेकने के विरोध में तराई अंचल के दर्जनों गांवो से एकत्रित आदिवासियों ने माकपा व आदिवासी एकता महासभा के नेतृत्व में पनवार थाना के सामने प्रदर्शन कर दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। प्रभारी अधिकारी द्वारा पूरी जांच कर एक सप्ताह के अंदर कार्यवाही करने का आश्वासन देने के वाद आन्दोलन समाप्त किया गया। इससे पूर्व हजारों की संख्या में एकत्रित आन्दोलनकारियों को सम्बोधित करते हुए माकपा के राज्य सचिव मण्डल सदस्य रामनरायण कोरिया ने म.प्र.सरकार पर गरीब दलित आदिवासियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए प्रदेश व जिले भर मे हुए कई हमलों व अत्याचारों का जिक्र करते हुए इन घटनाओं को न रोकपाने तथा हमलावरों पर कार्यवाही न करने के लिए सरकार को दोषी मानते हुए कहा कि सिर्फ बोट के लिए ही गरीबों को लुभाया जाता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।